राजस्थान की 16वीं विधानसभा के तृतीय सत्र का हुआ आगाज

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने दिया 1 घंटे 47 मिनट का अभिभाषण

– अभिभाषण से पहले मुख्यमंत्री ने विधानसभा में किया राज्यपाल का स्वागत व अभिनंदन, आरएसी बटालियन ने दी राज्यपाल को सलामी

– राज्यपाल ने गत एक वर्ष में जनकल्याण के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर की विस्तृत चर्चा, कहा – राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक ले जाना लक्ष्य

कोटा, झालावाड़ एवं सवाई माधोपुर से एक साथ प्रकाशित

वंदेमातरम्

दैनिक देश की धरती

संस्थापक : स्व.हुकमचंद जैन Email:dhartikota@gmail.com कोटा दूरभाष 2411711, मो.9829221551

वर्ष 50 अंक 31 कोटा शनिवार 1 फरवरी 2025 माघ शुक्ल 3 सं. 2081 प्रभात पृष्ठ 8 मूल्य:2.00 रुपये

Visit us at http://www.dailydeshkidharti.com

भारत ने इंग्लैंड को 15 रन से चौथा टी-20 हराया, सीरीज में 3-1 की बढ़त, हर्षित-बिश्नोई को 3-3 विकेट; हार्दिक-दुबे की फिफ्टी

आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे शुभांशु शुक्ला

● **स्पेस एक्स ड्रैगन के पायलट बनेंगे, कहा-अंतरिक्ष में योग करूंगा, 14 दिन रिसर्च करेगा मिशन**

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स के ऑफीसर शुभांशु शुक्ला को नासा के एग्जियम मिशन 4 के लिए पायलट चुना गया है। जल्द ही वे स्पेस एक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएंगे। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय होंगे। यह मिशन 14 दिन तक चलेगा। इसके तहत रिसर्च की जाएगी। शुभांशु इसरो के मिशन गगनयान के लिए ट्रेनिंग ले रहे है। मिशन की कमांड पैगी व्हिटसन संभालेंगी । शुभांशु पायलट होंगे। इनके साथ मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोज उजनांस्की-विश्निवस्की और तिबोर कापू अप्रैल और जून 2025 के बीच एग्जियम मिशन-4 पर जाएंगे। मिशन में भारत के अलावा पोलैंड-हंगरी के एस्ट्रोनॉट्स भी कमांडर पैगी व्हिटसन- पैगी ने ×-2 मिशन की कमांडर

के रूप में काम किया है। पैगी ने नासा के एक मिशन में 675 दिन काम किया हैं। वे अमेरिका की सबसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री हैं। पायलट शुभांशु शुक्ला- शुभांशु भारतीय वायुसेना में पायलट हैं। उन्हें इसरो के गगनयान मिशन के लिए चुना गया है। यह भारत का अंतरिक्ष में पहला मैन्ड मिशन है। मिशन स्पेशलिस्ट स्लावोज उज्नान्सकी-विज्निएव्स्की- पोलैंड के स्लावोज इंजीनियर रह चुके हैं। स्लावोज यूरोपियन स्पेस एजेंसी के एस्ट्रोनॉट रिजर्व क्लास ऑफ 2022 के सदस्य हैं। मिशन स्पेशलिस्ट तिबोर कापू- कापू हंगरी के एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं, जो स्पेस रेडिएशन प्रोटेक्शन में महारत रखते हैं। 2023 में वे हंगेरियन-टु-ऑर्बिट के लिए चुने गए थे। शुभांशु बोले- अंतरिक्ष में योग करूंगा, तस्वीरें लाऊंगा नाम के ऐलान के साथ ही एग्जियम मिशन 4 पर नासा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें पायलट शुभांशु ने कहा कि जो मिशन आ रहा है उसमें मैं अपने साथ कुछ इंडियन फूड लेकर जाऊंगा, जो अपने साथियों को भी खिलाऊंगा।

मणिपुर को सुलगाने के पीछे आतंकी पन्नू भी शामिल

चिंता बढ़ाने वाली है यह रिपोर्ट, ईसाइयों को उकसा रहा है पन्नू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू से जुड़ा संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) पूर्वोत्तर को सुलगाने की कोशिश कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने अपने नोट में बताया है कि एसएफजे मणिपुर में ईसाइयों को उकसाने में लगा है और अलगाववाद को बढ़ावा दे रहा है। एसएफजे एक आतंकी संगठन है जिस पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। पन्नू खुद को उसका कानूनी सलाहकार कहता है। इतना ही

नहीं, नोट में ये भी बताया गया है कि एसएफजे सेना में शामिल सिखों को भी सेना छोड़ने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहा है। एजेंसियों के तरफ से तैयार ये नोट केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से बुधवार को जारी 290 पेज के एक ट्राइब्यूनल आदेश का हिस्सा था। इस महीने की शुरुआत में ट्राइब्यूनल ने ऐक्ट 1967 के तहत एसएफजे पर 5 साल के प्रतिबंध को बरकरार रखा था। नोट में कहा गया है कि सिख फॉर जस्टिस मणिपुर में ईसाइयों को भारत से अलग होने के लिए उकसा रहा है।

पुंछ में घुसपैठ नाकाम, सुरक्षाबलों ने 2 आतंकी मारे

एक पीओके की तरफ भागा एलओसी पर सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ को नाकाम कर 2 आतंकियों को मार गिराया। आतंकी एलओसी से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। जब सुरक्षाबलों ने रोका तो फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। हालांकि एक आतंकी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भाग गया। जम्मू के सिक्योरिटी स्पोक्स पर्सन ने बताया कि घटना देर शाम की है। पुंछ जिले

के खारी करमारा इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। कश्मीर के सोपोर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच 19 जनवरी की शाम को भी हुई थी। इस दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों की घेराबंदी की थी। हालांकि दोनों भागने में कामयाब रहे थे। सुरक्षाबलों को आतंकवादियों का इनपुट मिला था। पुलिस ने बताया था कि इनपुट के आधार पर सुरक्षाबल सोपोर के जालोरा गुज्जरपति में सर्च ऑपरेशन कर रहे थे। इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबल के जवानों पर फायरिंग कर दी। दोनों ओर से फायरिंग के बाद आतंकी भागने में कामयाब रहे।

युवाओं और बुजुर्गों के नाम रहा राष्ट्रपति का अभिभाषण

● **सोनिया बोलीं-पढ़ते-पढ़ते थक गईं बेचारी, राहुल ने कहा-बोरिंग**

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को पहला दिन था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का संबोधन दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण की शुरुआत कुंभ हादसे में दुख व्यक्त करते हुए की। उन्होंने कहा- माननीय सदस्यों इस वक्त महाकुंभ भी चल रहा है। वहां हुए हादसे पर दुख प्रकट करती हूं। राष्ट्रपति ने आगे केंद्र सरकार की योजनाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा- 70+ बुजुर्गों को आयुष्मान का फायदा मिला, छोटे कारोबारियों के लिए लोन लिमिट दोगुनी हुई। साथ ही 3 करोड़ नए घर का लक्ष्य जल्द पूरा होगा। जब सोनिया गांधी से पूछा गया तो उन्होंने कहा, अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं।

हेल्थ सर्विस पर और खर्च करेगी सरकार

कैंसर मरीजों के लिए कैंसर दवाओं को कस्टम ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है। सर्वाइकल कैंसर के लिए 9 करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जितना बल फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया, उतना ही सोशल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम किया। अस्पताल, इलाज और सेवा के चलते परिवार का खर्च लगातार कम हो रहा है। एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। आज भारत टेक्नोलॉजी के रूप में अहम ग्लोबल प्लेयर है। भारत में 5 जी की शुरुआत इसका उदाहरण है।

● **गरीब-मिडिल क्लॉस पर सरकार का जोर**- गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिले, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। देश के 25 करोड़ लोग गरीबी को परास्त कर आज अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। इन्होंने न्यू मिडिल क्लास का ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया जो नई ऊर्जा से भर रहा है। सरकारी कर्मचारियों के सम्माान के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के यूनिफाइड पेंशन के तहत 50 फीसदी निश्चित पेंशन देने का फैसला लिया गया है। आज देश के विकास में सबका साथ है इसलिए हम देश के सभी सामर्थ्य का अनुभव कर रहे हैं। इसका लाभ दलित, वंचित और आदिवासी समाज को मिल रहा है। जिस जनजातीय समाज की उपेक्षा होती रही, हमने उसके कल्याण को प्राथमिकता दी।

बेचारी महिला, बोल भी नहीं पा रही थीं

● **राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलीं सोनिया गांधी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र की शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार की योजनाओं को रेखांकित किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण में किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया गया। हालांकि, विपक्ष को उनकी यह बात रास नहीं आई। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने शुक्रवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राष्ट्रपति अंत तक बहुत थकी हुई नजर आ रही थीं। सोनिया गांधी ने कहा, वह बहुत थकी हुई लग रही थीं, अंत में मुश्किल से बोल पा रही थीं। बेचारी महिला। इससे इतर, सोनिया गांधी के बेटे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी राष्ट्रपति के भाषण को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी और इसे बोरिंग बताया। राहुल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का भाषण अत्यधिक उबाऊ था और इसमें कुछ नया नहीं था। कांग्रेस नेताओं के इन बयानों के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई।

गुजरात के सोमनाथ में पहली बार नहीं होगा उर्स

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मुस्लिम पक्ष की याचिका

अहमदाबाद (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के सोमनाथ में उर्स की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। एक याचिका में गिर सोमनाथ जिले में ध्वस्त की जा चुकी दरगाह पर एक से तीन फरवरी तक 'उर्स' आयोजित करने की अनुमति मांगी गई थी। जस्टिस बी आर

गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया कि सरकारी जमीन पर मंदिरों समेत सभी अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है। कई दशकों बाद ऐसा होगा जब सोमनाथ के पास होने वाला उर्स आयोजित नहीं होगा। मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि सालों से उर्स होता आया है लेकिन प्रशासन ने इजाजत देने से इन्कार कर दिया है। वकील ने कहा कि वहां इसके लिए दलील दी गई कि वहां पर कोई दरगाह नहीं है।

संसद में साल 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश

● **6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी तक रह सकती है जीडीपी ग्रोथ** ● **अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच महंगाई 4.9 फीसदी रही**

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यानी 31 जनवरी को इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। इसके अनुसार एफवाय 26 यानी, 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान जीडीपी ग्रोथ 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है। वहीं रिटेल महंगाई वित्त वर्ष 2024 में 5.4 फीसदी थी जो अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9 फीसदी हो गई। इकोनॉमिक सर्वे बजट से एक दिन पहले पेश किया जाता है। इसमें सरकार इस वित्त वर्ष यानी 2024-25 में देश की जीडीपी का अनुमान और महंगाई समेत कई जानकारियां होती है। ठीक हमारे घर की डायरी की तरह ही होता है इकोनॉमिक सर्वे। इससे पता चलता है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की हालत कैसी है।

2025-2026 में इकोनॉमी 6.3 फीसदी से 6.8 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है।

चालू वित्त वर्ष ने भी दिया जोर का झटका

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और कॉरपोरेट इनवेस्टमेंट धीमा होने का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर चालू वित्त वर्ष में साफ दिख रहा है। मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान देश की विकास दर 6.4 प्रतिशत रह सकती है, जो कि पिछले 4 साल में सबसे धीमी है। वहीं, बीते वित्त वर्ष की तुलना में इस बार गिरावट देखने को मिल रही है।

● **खेती-किसानी को करना होगा और मजबूत**- सर्वे के अनुसार भारत के एग्री सेक्टर को और मजबूत करना होगा। यह देश की ताकत है और यह 5 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से आगे बढ़ रही है। भारत फूड सिक्योरिटी के मामले में एक दुनिया के लिए प्रमुख देश बनेगा। इस इकनॉमिक सर्वे ने डिसइंवेस्टमेंट पर चुप्पी बनाई है। उम्मीद की जा रही है कि बजट में सरकार की तरफ से डिसइंवेस्टमेंट पर बयान जारी किया जा सकता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था 2023 में 3.3 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करने में सफल रही। आईएमएफ का अनुमान है कि ग्लोबल इकनॉमी ग्रोथ रेट अगले 5 साल के लिए 3.2 प्रतिशत रहेगी। वैश्विक स्तर पर ग्रोथ रेट स्थिर है। लेकिन अलग-अलगे क्षेत्रों में ग्रोथ रेट अलग-अलग रहेगा। पहले कोरोना और फिर युद्धों की वजह से दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। महंगाई ने इस दौरान लोगों को खूब परेशान किाय है लेकिन अब एक बार फिर स्थिति सामान्य हो रही है। यही वजह है कि दुनियाभर के सेंट्रल बैंक अब ब्याज दरों में कटौती कर रहे हैं।

पंजाब में हादसा, 11 की मौत

● *धुंध में कैंटर-पिकअप की हुई टक्कर, 11 लोग घायल*

● *सड़क किनारे बिखरी रहीं लाशें, बिलखते दिखे परिजन*

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में सुबह करीब 8 बजे एक बोलेरो पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 11 लोग घायल हो गए। यह हादसा फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर गांव मोहन के उताड़ के पास हुआ। हादसे के वक्त पिकअप में 25 से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें से मरने वालों की लाशें सड़क किनारे बिखरी पड़ी मिलीं। जबकि, जख्मी लोगों को पुलिस ने राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आशंका जताई है कि हादसा धुंध के कारण हुआ है। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, इसे लेकर फिरोजपुर की डीसी दीपशिखा शर्मा ने कहा है कि सभी घायलों का इलाज जिला प्रशासन की ओर से करवाया जा रहा है। इनकी पूरी देखभाल की जाएगी। जबकि, एसपी गौरव यादव ने भी पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। क्राइम सीन पर जांच के लिए पहुंचे इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह बराड़ ने बताया है कि सुबह घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सड़क सुरक्षा फोर्स (एसएसएफ) की टीमें पहुंच गई थीं। मौके पर पहले से ही काफी लोग जमा था। उनकी सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, मौके पर जाम भी लगा हुआ था, जिसे

क्लियर कराया गया। उन्होंने बताया है कि बोलेरो पिकअप में मजदूर सवार थे। वे फिरोजपुर से देहात एरिया की ओर जा रहे थे। इस दौरान पिकअप बेकाबू हो गई, जिससे पीछे से आ रहे कैंटर के साथ हादसा हो गया।

दिल्ली में एक साथ 7 विधायकों का इस्तीफा

● **चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। वोटिंग से पांच दिन पहले पार्टी के 7 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है। पार्टी ने इन सातों विधायकों का टिकट काट दिया था जिसको लेकर इनमें नाराजगी थी। राजेश ऋषि, नरेश यादव और रोहित कुमार महरौलिया, भावना गौड़, मदन लाल समेत 7 विधायकों ने शुक्रवार को इस्तीफे का ऐलान कर दिया। जनकपुरी से दो बार के विधायक राजेश ऋषि ने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। टिकट कटने से नाराज चल रहे राजेश ऋषि ने अरविंद केजरीवाल को भेजे इस्तीफे में आरोप लगाया कि पार्टी मूल सिद्धांतों को त्यागकर भ्रष्टाचार में डूब गई है। उन्होंने यह भी लिखा है कि संतोष कोली के बलिदान के साथ गलत व्यवहार किया गया। संतोष कोली के हत्यारे को टिकट दिया गया, यह पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ विश्वासघात है। उन्होंने पार्टी में भाई-भतीजावाद किए जाने का भी आरोप लगाया है।

कांग्रेस के शाही परिवार ने राष्ट्रपति का किया अपमान

ये खुद को देश का और आप-दा वाले दिल्ली का मालिक समझते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका में रैली की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार देश ने

फिर देखा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद को संबोधित किया। उनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है, लेकिन उन्होंने बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है। राष्ट्रपति ओडिशा आदिवासी परिवार से निकलकर यहां तक पहुंची हैं।

● **आप-दा वालों के हर घोटाले की जांच होगी** -दिल्ली में घोटाले करके ये आप-दा वाले कालेधन से देश के दूसरे राज्यों में राजनीति चमकाते हैं। विधानसभा के पहले सत्र में ही सीएजी रिपोर्ट टेबल होगी। इसमें आप-दा सरकार के घोटालों का जिक्र है। हर भ्रष्टाचार की जांच होगी। पिछले सालों में आप-दा वालों ने इन्फ्रास्ट्रक्चर बजट नहीं बढ़ाया है। इस साल भी उन्होंने इसके लिए फंड नहीं दिया। ये जनता का पैसा जनता के विकास के लिए नहीं बल्कि अपना प्रचार करने में खर्च करते हैं। ये टीवी पर, अखबारों में, सड़कों के किनारे अपने चेहरे चमकाने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, लेकिन आपकी गली, नाली, सीवर, सड़क, पाइपलाइन, इनको बनाने के लिए आप-दा वाले पैसा नहीं देते।

सर्राफा बाजार में श्री जी की शोभायात्रा का होगा स्वागत

बारां 31 जनवरी। जिले के आराध्य श्री कल्याण राय जी के 544 में प्राकट्य उत्सव पर रविवार बसंत पंचमी पर निकलने वाली शोभा यात्रा का शहर सराफा बाजार में भव्य स्वागत और अतिथियों का सत्कार किया जाएगा राजस्थान दुकानदार महासंघ के बारा जिला अध्यक्ष ललित मोहन खंडेलवाल सर्राफा व्यापारी पवन कुमार बंसल विनोद कुमार गर्ग अनुराग जैन राजेंद्र मंगल भीमराज सोनी अश्विनी बांसल ने बताया कि जन-जन के आराध्य भगवान श्री कल्याण राय जी के 544 पर प्राकृट्य स्थापना दिवस पर सराफा बाजार में पूरी धार्मिक परंपरा और अतिथियों के विशेष सम्मान के साथ स्वागत किया जाएगा शोभायात्रा में आगंतुकों के लिए श्री कल्याण राय जी मंदिर की भोग लगी हुई केसरिया दूध की खीर का वितरण होगा वही अतिथियों को चांदी के पात्रों दूध से बनी खीर प्रसाद स्वरूप दी जाएगी शोभायात्रा का पुष्प वर्षा और आतिशबाजी से भव्य स्वागत होगा 544 वर्ष में पहली बार इस प्रकार की ध्वजा यात्रा को लेकर व्यापारी वर्ग में भी खासा उत्साह है

जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक सम्पन्न

बारां, 31 जनवरी। जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक शुक्रवार को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर कार्यालय में आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने पर्यटन से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जिले के पर्यटक स्थलों में शाहाबाद किला, शेरगढ़ किला एवं अभयारण्य, सोरसन, बिलासगढ़ एवं रामगढ़ क्रेटर समेत अन्य पर्यटन स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का समापन – 'परवाह करो जीवन की' संदेश के साथ जागरूकता अभियान संपन्न

बारां 31 जनवरी। जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के समापन कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को जिला परिषद भवन प्रथम तल पर भव्य रूप से किया गया, जिसकी शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और हमें स्वयं तथा दूसरों की सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करना चाहिए।

ऑनलाइन पेपरलेस छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च

बारां, 31 जनवरी। समाज कल्याण अधिकारी शुभम नागर ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 निर्धारित की गई है।

दलित महिला सभापति को निलम्बित करवाने की साजिश को रूकवाने को लेकर पानाचन्द मेघवाल ने लिखा पत्र

बारां 31 जनवरी। दलित महिला सभापति श्रीमती ज्योति पारस को झूंठे षडयंत्रों एवं झूंठी जांचों में फंसाकर अपने रास्ते से हटाने के लिए निलम्बित करवाने का षडयंत्रकारियों द्वारा प्रयास किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल द्वारा जिला कलक्टर बारां को पत्र लिखते हुए निष्पक्ष जांच करवाए जाने की मांग की गई है। पत्र की प्रति संलग्न है। पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल ने अपने पत्र में बताया कि तेजेष सुमन, पूर्व सभापति कमल राठौर अन्ता विधायक श्री कंवरलाल मीणा के खास व्यक्ति है, इनके द्वारा आपसी मिलीभगत करके अंबेडकर सर्किल स्थित ट्रक यूनियन वाली बेषकीमती 100 करोड की भूमि को हडपने के लिए योजनाबद्व तरीके से श्रीमती ज्योति पारस की झूंठी षिकायत की गई है। श्रीमती ज्योति पारस को रास्ते से हटाए बिना तेजेष सुमन व कमल राठौर के 100 करोड़ की जमीन हडपने के मंसूबे सफल नही हो सकते। श्रीमती ज्योति पारस द्वारा अस्पताल रोड पर स्थित नगर परिषद की भूमि पर कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा गलत रिपोर्ट करने तथा चारों व्यक्तियों द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर जारी करवाए गए चारों पट्टों का पंजीयन नही करने के लिए उप पंजीयन अधिकारी बारां को पत्र लिखा गया था तथा पट्टे निरस्त कर दिए गए। इस संबंध में पूर्व में उप निदेषक, स्थानीय निकाय विभाग कोटा की जांच रिपोर्ट जिसमें सभापति श्रीमती ज्योति पारस को दोषी नही माना गया है, उसे दरकिनार करते हुए पुनः तेजेष सुमन द्वारा एक झूंठी षिकायत भिजवायी स्थानीय निकाय विभाग जयपुर को गयी है जिस पर जिला कलक्टर द्वारा इस प्रकरण की जांच हेतु उपखण्ड अधिकारी मांगरोल को जांच अधिकारी बनाया जाकर उन्हें 5 दिवस में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु आदेषित किया है। श्रीमती ज्योति पारस को षडयंत्रकारी दोषी ठहराकर उन्हें निलम्बित करवाकर एवं अन्य सभापति काबिज करवाकर उक्त बेषकीमती 100 करोड की जमीन को हडपना चाहते है। तेजेश सुमन भूमाफिया है जिसका आपराधिक रिकार्ड है।

संभाग स्तरीय तीन दिवसीय आरोग्य मेला 7 फरवरी से बारां में

बारां 31 जनवरी। स्वास्थ्य सबके लिए थीम पर जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा संभाग स्तरीय आरोग्य मेला 7 फरवरी से 10 फरवरी तक का कोटा रोड स्थित खेल संकुल में आयोजित होगा। शुक्रवार को उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग कार्यालय बारां में आयोजित चिकित्साधिकारियों की बैठक हुई। जिसमें अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। बैठक में आरोग्य मेला प्रभारी डॉ. जितेन्द्र सिंह हाड़ा ने बताया कि संभाग स्तरीय यह विशाल आरोग्य मेला बारां में दूसरी बार में आयोजित होगा। मेले में निःशुल्क आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी पद्धति द्वारा चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण किया जाएगा। आरोग्य मेला समय सुबह 10 बजे से रात्रि 7 बजे रहेगा। प्रातःकाल में योग सुबह 7 से 8 बजे तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक चिकित्सा उपचार ओपीडी एवं सायं 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्म उत्सव धूमधाम के साथ मनाया

अंता, 31 जनवरी। श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्म उत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया जिसमें मखाने बिस्किट खिलौने खूब लुटाए। आज ब्रज में होली रे रसिया नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की भजनों की धुन से परिसर गूंज उठा। शुक्रवार को कथावाचक पंडित मुकुट बिहारी शास्त्री ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार पाप कर्म बढ़ता है तब तब भगवान को नर रूप धारण करना पड़ता है और पृथ्वी का भार उतारना पड़ता है। कथा के दौरान श्रीराम जी के विवाह की कथा भी सुनाई जिसमें मनोहर झांकी सजाई गई। उन्होंने श्रीराम जी के आदर्शों पर चलने का

आवाहन किया। श्री राम प्रार्थना लौटकर अपने माता-पिता के चरण में प्रणाम करते थे। हमें भी करना चाहिए। प्रातः काल उठना चाहिए। क्योंकि सुबह जीवन में नई उमंग रहती है। प्रातः काल हमारी शक्तियां अलग प्रकार की होती है। इसलिए भोर का आनंद लेना सीखो। उन्होंने कहा कि कथा सुनने वहीं लोग आते जिसे मेरे भगवान बुलाते है। भागवत कथा आत्मा को परमात्मा का बोध कराती है और हमें सत्य का साक्षात्कार होता है। इसलिए रोजाना गीता का स्वाध्याय करना चाहिए। बालमुकुंद मीना नागरिक बैंक डायरेक्टर, बंसी लाल शर्मा, रामकरण मीणा, वीरमदेव मीणा, बद्री लाल मीणा, धनराज मीणा, सुखदेव मीणा, रामदेव अध्यापक ने भागवत कथा की आरती उतारी और पूजन किया और प्रसाद वितरण किया गया।

स्वास्थ्य सबके लिए, संभाग स्तरीय आरोग्य मेला 7 से 10 फरवरी तक

बारां, 31 जनवरी। मेला प्रभारी डॉ जितेन्द्र सिंह हाड़ा ने बताया कि जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा संभाग स्तरीय आरोग्य मेले का आयोजन खेल संकुल कोटा रोड बारां में 7 फरवरी से 10 फरवरी तक होगा। आरोग्य मेला प्रभारी ने बताया कि संभाग स्तरीय विशाल आरोग्य मेला जिले में दूसरी बार आयोजित होने जा रहा है। मेले में निःशुल्क आयुर्वेद योग व प्राकृतिक यूनानी सिद्धा होम्योपैथी पद्धति द्वारा चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण किया जाएगा। आरोग्य मेला समय सुबह 10 बजे से रात्रि 7 बजे रहेगा तथा योग प्रातः कालीन सुबह 7 से 8 बजे तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक चिकित्सा उपचार ओपीडी एवं सायं 6 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा। नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद संभाग कोटा डॉ. मोहन लाल वर्मा ने बताया कि मेले में आयुष की विभिन्न विधाओं पंचकर्म क्षार सूत्र अग्निकर्म जलोका विद्कर्म कपिंग थेरेपी से लाभान्वित किया जाएगा। क्षेत्रिय हर्बल मेडिसिन की प्रदर्शनी लगाकर द्रव्यगुण चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। स्वास्थ्य संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान होगा। सहायक नोडल अधिकारी उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग बारां डॉ वीरेन्द्र कुमार सोहाया ने आरोग्य मेले को सफल एवं जनोपयोगी बनाने के लिए जिले के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों की अलग-अलग समिति अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए समितियां के प्रभारी डॉ राजेंद्र मीणा, डॉ कमलेश कँवरिया, डॉ राजकुमार गोयल, डॉ चंद्रभान श्रीवास्तव, डॉ रितु चंदेल, डॉ हरिशंकर मीणा, डॉ अभिनव गॉड, डॉ पीयूष, डॉ हेमराज सेन आदि को विभिन्न समितियां के प्रभारी नियुक्त कर सहायक शिविर प्रभारी सहायक मेला प्रभारी डॉक्टर जुगल किशोर मीणा एवं मेला प्रभारी से समन्वय स्थापित कर विभिन्न कार्यों को त्वरित गति से संपन्न करने के निर्देश प्रदान किए गए। सहायक निदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ अजय नागर ने ऐप द्वारा प्रकृति परीक्षण आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मिलने वाली सुविधाओं जरावस्था आंचल प्रसूता केन्द्र स्वर्णप्राशन आदि जिले में संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में जिले के समस्त समितियों के चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

मन की बात जगत नियंता शिव ही समझते हैं : आचार्य भूपेन्द्र शास्त्री

बारां 31 जनवरी। शहर के मांगरोल रोड स्थित प्राचीन मंदिर प्यारेराम जी चल रही शिव महापुराण कथा के तीसरे दिवस आजव्यास पीठ से आचार्य भूपेन्द्र शास्त्री ने शिव कथा से जुडी घटनाएं उनके रहस्य, महिमा और उपासना के बारे में उपस्थित श्रोताओं को बारिकी से समझाते हुए शिव कथा का सार, शिव की लीला तथा पूजा पद्धति की विधि की बारिकी से जानकारी दी। कथा आयोजन समिति के किरण गुर्जर ने बताया कि आचार्य भूपेन्द्र शास्त्री ने मम नाम का विस्तार से उल्लेख करते हुए इस नाम को ईश्वर का नाम बताते हुए कहा कि मम को त्यागकर स्वयं ईश्वर की भक्ति में विलिन होना ही भक्ति का दुसरा नाम है। भगवान कृष्ण ने भी महाभारत में यही कहा है, कि तु कर्म कर फल की चिंता मत कर, तु मेरी शरण मे आजा मैं तुझे सम्भाल लूंगा। कथा में इतनी शक्ति हमें देना दाता मन का विश्वास कमजोर ना हो के संगीतमयी गीत पर श्रोता भाव-विभोर होकर नाच उठे। उन्होंने कहा कि मन की बात को ईश्वर ही समझता है, तन सेवा को समर्पित होना चाहिए क्योंकि शरीर नाशवान और आत्मा अमर है। आचार्य भूपेन्द्र शास्त्री ने कहा कि भगवान शिव ने अमरनाथ की कथा सुनाते हुए पार्वती को अपनी साधना के बारे में बताते हुए कहा कि जो भी कोई इस कथा को सुनता है, वो शिव की भक्ति में विलिन हो जाता है। आज कथा के यजमान अनिल मिश्रा ने व्यासपीठ की पूजा की कथा में के.एल. मीणा पूर्व प्राचार्य महाविद्यालय, किरण गुर्जर, राजेन्द्र गुप्ता, चन्द्रप्रकाश चौधरी, रामसिंह चौधरी, जीतू सोनी, रूपचन्द गर्ग, शंकर माहेश्वरी, केसरीचन्द पंकज, विवेक सोनी ने भी व्यासपीठ की पूजा में भाग लिया। कथा के तिसरे दिन भारी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे।

जेसीआई बारां ने मनाया बसंत उत्सव

बारां, 31 जनवरी। बसंत ऋतु की दस्तक होते ही जेसीआई बारां ने पूरे धूमधाम के साथ बसंत का स्वागत किया। जी हां जेसीआई बारां ने एक निजी रेस्टोरेंट पर बड़े हर्षोल्लास के साथ बसंत उत्सव मनाया। जेसीआई बारां की मीडिया प्रवक्ता जेएफपी कीर्ति मित्तल जैन ने बताया कि तत्कालीन प्रेसिडेंट सोनिया चौरसिया के निर्देशन में यह कार्यक्रम बहुत मनोरंजक और भारतीय संस्कृति को दर्शाता रिवाजों को निभाता हुआ सा प्रतीत हुआ। सभी ने मां सरस्वती को रिझाने वाले पीले रंग के वस्त्र पहने। कार्यक्रम स्थल को भी पीले फूलों से सजाया गया था। सुपर एक्टिव यंगेस्ट सदस्या याशिका चौरसिया द्वारा तैयार किए गए। वेलकम येलो फ्लावर ने सबके स्वागत में पीले गुलाल के टीके के साथ चार चांद लगा दिए। पूर्व अध्यक्ष श्रुति सिंघल द्वारा बहुत ही क्रिएटिव हाउजी बनाई गई जिसमें प्रथम विजेता प्रिया जैन तथा द्वितीय रूपाली गोयल रही। साथ ही आईपीपी स्वाति नागर द्वारा कई तरह के खेल भी खिलाए गए, जिसमें स्लिप उठाओ किस्मत चमकाओं गेम की विजेता प्रिया ड्रोलिया तथा द्वितीय कुसुम गोयल तथा तृतीय स्थान पर प्रिया जैन रही। बसंत की रानी यानी कि बसंती क्वीन का खिताब श्रुति सिंघल ने जीता। नई सदस्या प्रियंका गोयल का भी जेसीआई बारां फैमिली में स्वागत किया गया। सभी मेंबर्स ने जॉन डायरेक्टर लेडी जेसी निधि बंसल को भी जॉन डायरेक्टर बनने की बहुत बधाई दी और कार्यक्रम में पूरा सहयोग करने के लिए भी धन्यवाद दिया। प्रीति गोयल ने भी पूरे कार्यक्रम में उत्साह से भाग लिया।

बारां जिले के राजपूत समाज का स्नेह मिलन समारोह 2 फरवरी को

बारां 31 जनवरी। करणी सेना प्रदेश सचिव लाखन सिंह व जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह अन्थड़ा एवं महिला जिलाध्यक्ष सरिता सिंह गौड़ ने बताया कि राजपूत समाज के स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि महाराव राजा श्री वंशवर्धन सिंह बूंदी राज परिवार रहेंगे व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष शीला सुखदेव सिंह गोगामेडी रहेगी । श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के नगर अध्यक्ष रविंद्र सिंह हाडा व देहात अध्यक्ष यांशु हाडा ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री पीठाधीश्वर सनातन धर्म रक्षा पीठ वृंदावन धाम श्री कौशल किशोर ठाकुर रहेंगे।करणी सेना के जिला प्रभारी कमलेश सिंह व जिला सयोंजक भेरूसिंह भाटी कोषाध्यक्ष मानवेंद्र प्रताप नाथावत ने बताया की 2 फरवरी रविवार को प्रातः 9:00 बजे स्नेह मिलन समारोह के पश्चात सभी समाज बंधु केसरिया साफा बाँध कर एवं सफेद पोशाक पहने महाराव राजा श्री वंश वर्धन सिंह के साथ मंदिर श्री कल्याण राय जी महाराज बारां के प्राण प्रतिष्ठा दिवस के उपलक्ष में आयोजित भव्य शोभा यात्रा में शामिल होंगे।।

कार्यक्रम को लेकर सौपी जिम्मेदारियां हुई तैयारिया पूर्ण- सोशल मीडिया प्रभारी पवन सिंह सुनेल ने बताया पुरुष कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र सिंह गौड़, भारत सिंह,नरेंद्र सिंह,देवराज सिंह,धीरज सिंह, कार्यक्रम सहसंयोजक अजय सिंह हाडा, ऐश्वर्य सिंह गौड़,भानु प्रताप सिंह राजावत, वीर प्रताप सिंह, देवेंद्र सिंह राजावत,कार्यक्रम संयोजक महिला राजेश हाडा (जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा भाजपा बारा श्रुति हाडा, संजू गौड़, ऐश्वर्या गौड़,(पूर्व छात्रा संघ अध्यक्ष बारा कार्यक्रम सहसंयोजक महिला कृतिका सिसोदिया, चंचल बाईसा,निधि हाडा, ऋषिका सिसोदिया. कार्यक्रम व्यवस्था टीम बलजीत सिंह, विक्की बना, प्रेम बना, अजय सिंह, राजेन्द्र सिंह, प्रदीप सिंह, दिग्विजय सिंह, लोकेश सिंह, वीर प्रताप सिंह, हंसराज सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, गोविन्द सिंह, विक्की बना मोहना, दीपक सिंह, शैलू ढोटी, देवेंद्र सिंह, चंद्रभान सिंह, हितेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, आकाश सिंह, राजेंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह, विजय सिंह, रणवीर सिंह, लक्ष्मण सिंह, उज्ज्वल सिंह, जयदीप सिंह, रुद्र प्रताप, ऋषिराज सिंह, हुकुम सिंह, लेखराज सिंह, भानु प्रताप सिंह, शम्भु सिंह, कुलदीप सिंह, भगवान सिंह, गोविन्द सिंह, लेखराज सिंह, मनोज सिंह, मनवीर सिंह,प्रियंका हाडा, कृष्णा चौहान, हेमा गौड,पूजा हाडा, मनु चौहान,कार्तिका सिसोदिया, ज्योति राजावत, निधि हाडा, कुसुम राठौड़, रीना नाथावत

ज्योति कलश यात्रा का हुआ स्वागत

छबड़ा 31 जनवरी। बड़े हर्ष की बात है कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्ति कुंज हरिद्वार से आई ज्योति कलश यात्रा का छबड़ा के ग्रामीण इलाकों में बड़े हर्ष उल्लास के साथ स्वागत अभिनंदन किया जा रहा है इसी क्रम में दिनांक 31 जनवरी शुक्रवार को ग्राम पंचायत गुगोर घाटाखेड़ी एवं सेमला, सेमली, मोरली पठार, बालापुरा,पछपड़ा,तुर्कीपाड़ा गोपालपाड़ा, झरखेड़ी में आदि गांवों के लोगों ने पुष्प वर्षा माल्यार्पण पूजा आरती करके स्वागत सत्कार किया गया ज्योति कलश यात्रा के साथ शांति कुंज हरिद्वार से टीकम चंद मालव,रामरतन नरवर आई टोली, स्कूल के प्रधानाचार्य दौलत राम जी मीणा के द्वारा टोली स्वागत सत्कार सम्मान किया गया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घाटाखेड़ी के बच्चो द्वारा मार्गदर्शन भी किया गया स्कूल के बच्चो द्वारा भी कलश का पूजन किया गया, यात्रा का नेतृत्व गायत्री मंदिर छबड़ा के ट्रस्टी मानसिंह धनोरिया,कन्हैयालाल लीडर,मांगीलाल मेहरा ,कन्हैयालाल प्रजापत ,रामचरण प्रजापत बड़ा, रामचरण प्रजापति छोटा सोशल मीडिया, द्वारा बताया गया। ज्योति कलश रथ अगले दस दिन तक छबड़ा तहसील की सभी पंचायतों में पहुँचेगा जहाँ गायत्री परिवार परिजनों द्वारा विविध कार्यक्रमों के माध्यम से गुरुदेव के सन्देश को जन जन तक पहुँचाया जाएगा ।

प्रेरणा महिला मंडल, एनटीपीसी अंता द्वारा शांति कुंज वृद्धाश्रम में वेलफेयर कार्यक्रम आयोजित

अंता 31 जनवरी। प्रेरणा महिला मंडल, एनटीपीसी अंता द्वारा समाज सेवा एवं कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शांति कुंज वृद्धाश्रम में वेलफेयर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई।कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को ऊनी वस्त्र, किराने का सामान, आटा, चावल, दाल, चायपत्ती, दूध, चीनी, बिस्किट, रसक सहित आवश्यक खाद्य ामग्री एवं ताजे फल प्रदान किए गए। इस सहायता से लाभान्वित हुए बुजुर्गों व जरूरतमंदों ने प्रसन्नता व्यक्त की एवं प्रेरणा महिला मंडल के प्रति आभार प्रकट किया। यह कार्यक्रम प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती वंदना सक्सेना के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महासचिव श्रीमती रश्मि सिंह, वेलफेयर इंचार्ज श्रीमती वंदना

वर्मा, श्रीमती मंजू यादव, श्री राजेश राठौर सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रेरणा महिला मंडल के समस्त सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रेरणा महिला मंडल, एनटीपीसी अंता द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे प्रयासों के तहत इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है, जिससे समाज के वंचित वर्गों को लाभान्वित किया जा सके।

अरविंद केजरीवाल का प्रचार

अंता 31 जनवरी। विधानसभा 40 नई दिल्ली जोर बाग भाग संख्या 97 आम आदमी पार्टी कार्यालय जहाँ से अरविंद केजरीवाल पूर्व मुख्यमंत्री एवम राष्ट्रीय संयोजक आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार है जिनके प्रचार प्रसार के लिये राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष नवीन पालीवाल प्रदेश सयुंक्त सचिव प्रकाश जायसवाल एवम मध्यप्रदेश के प्रवक्ता नवीन अग्रवाल के नेतृत्व में राजस्थान से अमित कुमार राजसमन्द दीपेश सोनी विधायक प्रत्याशी खानपुर झालावाड़ कोटा से राजेन्द्र मीना ऋषभ बारा जिलाध्यक्ष ओम गोचर अंता अजमेर उत्तर से वीरेंद्र सिंह राजवीर कार्तिक अग्रवाल नीमकाथाना सहित नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय कार्यकर्ता महिला विंग कार्यकर्ता के साथ चुनाव प्रचार डोर टू डोर अभियान की शुरुआत करते हुऐ आम जन का भारी समर्थन को देखते हुए इस बार तो पूरी 70 में से 70 सीटे आम आदमी पार्टी को देने का फैसला दिल्ली की जनता बना चुकी है इसके चलते भाजपा बौखला गई और गाली गलौच पर आ गई है लेकिन आम आदमी पार्टी के जाबाज कार्यकर्ताओं के हौसले को नही रोक पायेगी उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष ओम गोचर ने दी।

जिला कलक्टर व एसपी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया

बारां, 31 जनवरी। ब्रह्मण समाज के डेलिगेशन ने प्रसूता कोनिका और नवजात शिशु की मौत पर और समाज के बंधुओं और पीड़ित परिवार पर हुई झूठी एफआईआर) को लेकर गुरूवार को जिला पुलिस अधीक्षक व जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। जिसमें विप्र फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष कपिल देव शर्मा ने बताया कि सुनील गालव, संजीव भारद्वाज, हरिओम प्रधान, सूर्यकांत शुक्ला, प्रवीण शर्मा, जयेश गालव, प्रखर कौशल इन सभी के द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक व जिला कलेक्टर को प्रसूता कोनिका पत्नी लेखराज शर्मा और नवजात शिशु की गलत इंजेक्शन लगने से हुई मौत प्रकरण में दोषी कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई न करके फरियादीगणों व पीड़ित परिवार जनों के खिलाफ झूठे प्रकरण दर्ज कराए गए। इसके खिलाफ ब्राह्मण समाज के लोगों ने बारां जिले के जिला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक को अपनी नाराजगी व्यक्त की। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रस्तुत किया और मांग की परिवार को उचित न्याय मिले लोगों के खिलाफ (एफआईआर) वापस ली जाए एवं मृतका के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए। ज्ञापन देने वालों में देवेंद्र शर्मा, योगेश गौतम, सिद्धार्थ शर्मा, निशांत तिवारी, ऋषिबल्लभ शर्मा, मुकेश मिश्रा, अंकित पुजारी आदि मौजूद थे।

महाकाल प्रभु प्राण प्रतिष्ठ में बही भक्ति की बयार

बारां- बारां-कोटा रोड स्थित आदर्श नगर- गणेश नगर में बने महाकाल मंदिर में भगवान शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया आयोजन से जुड़े गज्जू बना व भूपेन्द्र नागर ने बताया कि तीन दिवसीय आयोजन की श्रृंखला में 31 जनवरी को शाम महाकाल प्रभु व शिव परिवार का सहस्त्र धारा अभिषेक किया गया जिसमें उपस्थित बड़ी संख्या में भक्त गणो ने भगवान भोलेनाथ पर जल चढ़ा कर अपनी श्रद्धा प्रकट की,वही आयोजन से जुड़े राहुल नागर ने बताया कि शाम के समय माह प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भक्तगणो ने उपस्थित होकर भगवान का माह प्रसाद प्राप्त किया ,आयोजन समिति के गोपाल शर्मा व हंसराज मीणा ने बताया कि कोटा रोड स्थित कालोनी में निवास करने वाले भक्तगणों के सहयोग से भव्य महाकाल मंदिर का निर्माण किया गया है इसमें तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व पंचकुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया इसमें विद्वान आचार्यो ने उपस्थित होकर विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न कराया , इस दौरान बड़ी संख्या में श्रृदालु उपस्थित थे ।

वृद्धजनो कों भोजन करवाया

कोटा 31 जनवरी। स्व. कन्हैयालाल रतन बाई मडिया चैरिटेबल ट्रस्ट के सामाजिक सरोकार के तहत आज करणी नगर स्थित वृद्धाश्रम में वहां पर आवासित वृद्धजनों कों भोजन करवाया। ट्रस्ट अध्यक्ष विमल जैन एवं उपाध्यक्ष पीयूष जैन ने बताया कि वृद्धाश्रम में पिछलें 1 वर्ष में रहने वालों की संख्या दुगनी हो गई। अभी वर्तमान में 50 वृद्धजन यहां पर रह रहें है। जिनमें से कई के परिवार होनें के बावजुद भी वह यहां रहने पर मजबुर है। संस्था के निदेशक प्रवीण भण्डारी के साथ सभी आवासित वृद्धजनों से हालचाल जानें। 15 से अधिक महिला एंव पुरूष पंलग से उठ भी नहीं पातें यहां के केयरटेकर उनकी सारसंभाल करते है और उनको भोजन वही पर उपलब्ध करवाते है। इस अवसर पर वहां की आवश्यकता के अनुरूप डबल बेडशीट दी गई। पुर्व बाल कल्याण समिति सदस्य विमल जैन ने संस्था के द्वारा किये जा रहे सेवाकार्यो की सराहना करते हुए कहा कि वृद्धजनों के हितार्थ किसी भी तरह की जरूरत हो तो उसमें सहयोग किया जायेगा। मानव सेवा ही सर्वश्रेष्ठ सेवा है। इस अवसर पर तारामति जैन, पीयूष जैन, मनु जैन, वर्षा जैन, मेघा गुप्ता, पिकीं माखीजा का व्यवस्थाओं में सहयोग रहा।

वार्षिक उत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह

कोटा 31 जनवरी। वार्षिक उत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पियूष उपाध्याय शिक्षा विद एवं केरियर मोटिवेटर थे। समारोह में 5 भामाशाह , पूर्व छात्रों एवं जान प्रतिनिधि के तथा विद्यालय स्टाफ को प्रतीक चिन्ह , माला एवं दुपट्टा धारण कर सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री देवकी नंदन सुमन , अजीज भाई पठान , तबस्सुम मिर्ज़ा वार्ड पार्षद , केसरी लाल बैरवा , सुभाष बाग़ मोहन सैनी , एवं स्टाफ उपस्थित रहे। छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया एवं पारितोषिक वितरण किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. घनश्याम गौतम राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक द्वारा किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रदीप कुमार गौतम ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तत्पश्चात छात्र/ छात्राओं के लिए भोजन का आयोजन किया । जनसहयोग से समारोह का आयोजन किया गया।

अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने मारी बाजी

कोटा 31 जनवरी। कोटा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव 'उमंग-2025' में अकलंक कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम मुख्य अतिथि न्यू मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. संगीता सक्सेना रही और विशिष्ट अतिथि इण्डियन रेडक्रॉस के स्टेट चैयरमेन राजेश कृष्ण बिरला थे। कार्यक्रम का संचालन डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नीलू चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कैलाश सोडानी, रजिस्ट्रार डॉ. भावना शर्मा एवं अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटा में खेल कूद सप्ताह

कोटा 31 जनवरी। जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटा में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा विभाग राजस्थान द्वारा निर्देशित 27 -31 जनवरी 2025 खेल कूद सप्ताह के दौरान विभिन्न इंडोर व आउटडोर खेल कैरम, शतरंज ,बैडमिंटन, वालीबाल, बास्केटबाल, एथलेटिक्स 100 मीटर दौड़ ,गोला फेक ,लेमन रेस आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । आज दिनांक 31 जनवरी 2025 को खेल सप्ताह के समापन दिवस 31 जनवरी 2025 को बैडमिंटन प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम किया गया। निर्णायक डॉ अनु बंसीवाल व सुश्री संजू माहीच रही।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 103 रोगी लाभांवित

कोटा 31 जनवरी। मोतियाबिंद के रोगियो के लिए लायंस क्लब कोटा के द्वारा नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन निरंतर जारी है। लायंस क्लब कोटा द्वारा आयोजित निशुल्क नैत्र शल्य चिकित्सा शिविर झालावाड रोड स्थित लांयस क्लब भवन में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष प्रमोद विजयवर्गीय ने बताया कि शिविर के रजिस्ट्रेशन कार्य 28 जनवरी से प्रारंभ किया गया था। जिसमें 225 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया। बीपी,शुगर अन्य बिमारी के चलते 103 नेत्र रोगियो को ऑपरेशन कर शुक्रवार को उन्हे काले चश्मे सौपे गए।कार्यक्रम में केईडीएल के टेक्निकल हेड अन्नामित्रो डाली मुख्य अतिथि रहे। उन्होने नेत्र रोगियों को काले चश्में पहनाएं।शिविर प्रभारी अशोक नुवाल ने बताया कि सभी ऑपरेशन डा विशाल स्नेही ने सभी मरीजो का ऑपरेशन आधुनिक लेजर तकनीक के माध्यम से किया गया और मरीजो को लेंस प्रत्यारोपित किए। इस अवसर सचिव वीरेन्द्र विजय,क्बल सदस्य अशोक नुवाल, अरुण तुलसियान,राम मदनानी,पवन पारेता,विनोद अजवानी उपस्थित रहे।

नेत्रदान संकल्पित वैज्ञानिक का संपन्न हुआ नेत्रदान

कोटा 31 जनवरी। अल सुबह कोटा से आई टीम ने रावतभाटा में लिया पांचवा नेत्रदान रावतभाटा में सेवा कार्यों की प्रतिमूर्ति,बालिका शिक्षा को हमेशा बढ़ावा देने वाले, समाजसेवी व सेवानिवृत्त इंजीनियरिंग वैज्ञानिक,बालाजी नगर,रावतभाटा निवासी दिलीप भाटिया का शुक्रवार देर रात आकस्मिक निधन हो गया । हमेशा जरूरतमंद लोगों के लिए सेवा करने को तैयार खड़े रहने वाले दिलीप 59 बार अपना रक्तदान भी कर चुके हैं । उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए उन्हें पूर्व राष्ट्रपति माननीय स्व0 श्री एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा सम्मानित भी किया गया है। वर्ष 2007 में नेत्रदान के कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने अपना नेत्रदान संकल्प पत्र भी भर दिया था और बेटी मिली भाटिया व करीबी मित्रों को अपने इस नेत्रदान संकल्प के बारे में भी बता दिया था ।

ज्वाइंट वेन्चर के विरोध में प्रदर्शन का शतक

कोटा 31 जनवरी। विद्युत उत्पादन में अग्रणी राजस्थान के थर्मल प्लाटों को सरकार द्वारा हठधर्मिता से ज्वाइंट वेंचर रूपी निजीकरण करने के विरोध में गठित राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम अभियंता कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के कार्मिक लगातार सौ दिन से थर्मल गेट पर एक घंटा कार्यबहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं आंदोलन के सौ दिन पूरे हो जाने के बावजूद सरकार कार्मिकों की सुध नहीं ले रही हे संयुक्त संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक राकेश गुप्ता एवं प्रदेश प्रवक्ता वीरेन्द्र कश्यप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राजस्थान के विद्युत गृह नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, विगत सप्ताह मुख्य अभियंता श्री के एल मीणा के निर्देशन और अभियंता कर्मचारियों की सूझबूझ से कोटा थर्मल की चौथी इकाई को निर्बाध लगातार 100 दिन चलाकर रिकॉर्ड उत्पादन किया गया वहीं दूसरी ओर छबड़ा थर्मल ने मुख्य अभियंता श्रीमती संगीता श्रृंगी के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सर्वश्रेष्ठ संचालित विद्युत उत्पादन स्टेशन पुरस्कार प्राप्त किया।

अदब एहतराम और भाईचारे के साथ मनाया उर्स मुबारक

कोटा 31 जनवरी। सूफ़ी संत अता ए ख्वाजा कुतबुल इरशाद सूफ़ी हाफ़िज़ अब्दुल हकीम शाह साहब अबरारी र.अ. का उर्स मुबारक गुरुवार 30 जनवरी को बड़े ही अदब एहतेराम और भाइचारे के साथ मनाया गया। उर्स संयोजक (दरगाह इंचार्ज) हामिद हकीमी ने बताया कि हाड़ौती के महान सूफ़ी संत अता ए ख्वाजा हजरत सूफ़ी हाफ़िज़ अब्दुल हकीम शाह साहब अबरारी र.अ.उर्स मुबारक (सज्जादा नशीन व मुतवल्ली) जनाब सूफ़ी जाहिद हुसैन हकीमी साहब की सरपरस्ती में बड़े अदब और एहतराम के साथ सुल्तानपुर में नवा उर्स बरोज गुरुवार को मनाया गया । जिसमें सुल्तानपुर मुख्य बाजार से सेंकड़ों अकीदतमंदो और मुरीदों ने जुलूस के रूप में दरगाह शरीफ पहुंच कर चादर पेश की और देश में अमन चैन बना रहे और देश की खुशहाली के लिए दुआ की। उर्स में देश भर से आए कव्वालों ने जिसमें शाहेदीन साबरी या सूफी अब्दुल हकीम एक आस लिए हम तुमरे द्वारे आए है और सरफराज अनवर साबरी सुल्तानपुर में धूम मची है ख्वाजा अब्दुल हकीम की शादी रची है इस तरह के अनेक बेहतरीन कलाम पेश किये और सभी अकीदतमंदो पूरी रात कव्वाली का लुत्फ उठाया। इस अवसर सत्यनारायण मालव थाना अधिकारी,दीपक महावर मजिस्ट्रेट उपखंड अधिकारी, मुकेश मेघवाल जिला प्रमुख, रितेश सहायक अभियंता विद्युत विभाग, पवन मीना उपमहापौर कोटा, विनय कुमार सिंगल भीमराव अम्बेडकर समिति महासचिव कोटा, पूर्व सरपंच मांगीलाल सुल्तानपुर, विद्याशंकर नन्दवाना पूर्व विधायक पीपल्दा, वीरेन्द्र शर्मा, छोटू भैय्या, महेंद्र कुमार कंवरपुरा, पूर्व प्रधान महेंद्र गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष सुल्तानपुर सतीश खण्डेलवाल, रजत अरोड़ा चेयरमैन रजत सिटी ग्रुप कोटा, जुल्फिकार पठान रजत सिटी, सीईओ हकीम बक्श एचपी गैस आदि गणमान्य अतिथि एवं सूफ़ी सन्त और अता ए ख्वाजा के हजारों मुरीद मौजूद रहे।

कोटा में एमपावर फाउंडेशन सेंटर का शुभारंभ

कोटा, 31 जनवरी। छात्रों में बढ़ते मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को हल करने के मकसद से आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की संस्था एमपावर, ने कोटा में एमपावर फाउंडेशन सेंटर की शुरुआत तलवंडी कॉमर्स कॉलेज के सामने की है। एमपावर की प्रेसिडेंट सुश्री परवीन शेख ने बताया कि सेंटर का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलेक्टर अनिल कुमार सिंघल द्वारा विधिवत रूप से फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि शारीरिक स्वास्थ्य। एक मजबूत दिमाग एक उज्जवल भविष्य की नींव रखता है। किसी भी छात्र को अपने संघर्षों में अकेला महसूस नहीं करना चाहिए। हमेशा मदद उपलब्ध है, और हमें अपने युवाओं को यह प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे सहायता लें, अपनी भविष्य की मंजिल को आगे बढ़ाएं। सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर एमपावर सेंटर की प्रेसीडेंट सुश्री परवीन शेख ने कहा कि कोटा में हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोटा के हर स्टूडेंट को क्वालिटी मेंटल हेल्थ केयर मिले। फाउंडेशन के माध्यम से, हम छात्रों को मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने के लिए हर संभव

सहायता प्रदान करेंगे। कोटा में हमारा यह प्रयास मेंटल हेल्थ केयर में निवेश के महत्व को पुनः स्थापित करता है। पिछले वर्ष से, कोटा में एमपावर द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशालाएँ, काउंसलिंग सत्र और प्रारंभिक स्क्रीनिंग कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल में साइबर क्राइम पर जागरूकता सेमिनार आयोजित

कोटा 31 जनवरी। कोटा, बैराज रोड स्थितसेंट जोसेफ पब्लिक स्कूलमें साइबर क्राइम से संबंधित एक जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें डीवाईएसपी विनोद कुमार, एएसआई बाबू लाल, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह और प्रोग्रामर कौशल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस सेमिनार का उद्देश्य छात्रों को इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों से जुड़े अपराधों की जानकारी देना और उनसे बचाव के उपाय समझाना था।डीवाईएसपी विनोद कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों, जैसे फिशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग, हैकिंग और सोशल मीडिया से जुड़ी सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने बच्चों को इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की सलाह दी। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा को लेकर गहरी रुचि दिखाई और कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया। छात्रों ने सोशल मीडिया पर अपनी प्राइवेसी सुरक्षित रखने, ऑनलाइन फ्रॉड से बचने और डिजिटल तकनीकों के सही उपयोग को लेकर अपनी जिज्ञासाएं जाहिर कीं।

डीआरएम ने सेवानिवृत्ति पर 28 रेल कर्मचारियों को किया सम्मानित

कोटा 31 जनवरी। रेलवे विभाग कोटा मण्डल से इस वर्ष 2025 के जनवरी माह में आयुसीमान्तर्गत 28 रेल सेवकों का सभागृह में विदाई समारोह आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कोटा मंडल से जनवरी माह में वाणिज्य शाखा के अधिकारी सहायक वाणिज्य प्रबंधक के के कटकवार एवं विभिन्न विभागों के 27 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। जिनमें मुख्य कार्यालय अधीक्षक, कार्यालय अधीक्षक, वरिष्ठ तकनीशियन, ट्रैकमेंन, सीनियर सेक्शन इंजीनियर, हेल्पर, स्टेशन अधीक्षक एवं मुख्य लोको निरीक्षक इत्यादि महत्पूर्ण पदों पर कार्यरत कर्मचारी शामिल रहे। सभी सेवानिवृत्त हो रहे रेल सेवको को संबंधित दस्तावेज जैसेः– पेंशन पे आर्डर, सेवा प्रमाण पत्र, सर्विस रिकार्ड की सॉफ्ट कापी, पहचान पत्र, मेडिकल कार्ड, कंपोजिट ट्रांसफर ग्रांट भत्ता एवं पास आवेदन तथा प्राधिकार पत्र प्रदान किये गये। इस दौरान डीआरएम ने उदवोधन में कर्मचारियो को सेवानिवृत्ति राशि का सदउपयोग, स्वास्थयमय जीवन व्यतीत करने की सलाह देते हुए उनके भावी सुखी जीवन की शुभकामना दी तथा रेलवे के प्रति समर्पण, निष्ठा एवं अतुलनीय योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुप्रकाश, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक आर के प्रजापत, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी विद्या भूषण भारती, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक त्रिभुवन कुमार, सेवानिवृत्त कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहें।

कलश यात्रा में शाहबाद के जंगल बचाने का संकल्प लिया

कोटा 31 जनवरी। कौशिक गायत्री परिवार बोरखेड़ा आश्रम के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय बसंत पंचमी महोत्सव का शुभारंभ गीता भवन से भव्य कलश यात्रा से हुआ ,जिसमें साधकों ने कलशों की पूजा कर शाहबाद के जंगलों का बचाने का संकल्प लिया। बोरखेड़ा आश्रम के मुख्य संचालक यज्ञ दत्त हाडा एवं धर्मपत्नी श्रीमती राजेश हाडा सुसज्जित बग्घी में में सवार हुए। सुमधुर भजनों की धुन कलश यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नयापुरा बाग एवं बोरखेड़ा आश्रम पहुंची। गीता भवन में पूर्व महापौर श्रीमती सुमन श्रंगी, कथावाचक कमलेश शर्मा बृजवासी,पर्यावरण विद् गीता दाधीच, बृजेश विजयवर्गीय, शिक्षाविद् रमेश विजय,डा प्रीति जासू,डा मुकेश दाधीच, मनीषा कंवर,चम्बल संसद जल बिरादरी के युधिष्ठिर चानसी, किसान नेता नंद किशोर शर्मा,आश्रम के अंशुमान सिंह, समाज सेवी अरुण भार्गव ,संदीप नरूका ,अर्चना राजावत ,ओम सुमन, जल बिरादरी व कोटा एनवायरनमेंटल सेनीटेशन,सोसायटी समेत सैकड़ों गणमान्य नागरिक, आदिवासी साधक शाहबाद किशनगंज, छबड़ा चाचोडा, खेड़ा झालावाड़ से भी साधकों ने भाग लिया।

कोटा की छवि बिगाड़ने के प्रयास पर शहरवासियों ने 2016 में दी थी अदालत में याचिका

कोटा 31 जनवरी। पिछले दिनों देशभर में बिना किसी पूर्व सूचना के अपनी कक्षाएं बंद करने के बाद चर्चा में आए इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी के संस्थान फिट्जी के खिलाफ कोटा शहरवासियों में भी नाराजगी है। फिट्जी द्वारा लगातार देश के समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी कर कोटा को 'सुसाइड सिटी ऑफ इंडिया' छापकर बदनाम किया गया था। इसके बाद कोटा व्यापार महासंघ और स्थानीय नागरिकों ने इसके लिए परिवार अदालत में दिया था। यह परिवाद 2016 में दिया गया था। इस परिवाद की सुनवाई न्यायालय में विचाराधीन है।

वीएमओयू - गोद लिए गांवों में प्रौढ़ शिक्षा के लिए किया जागरुक

कोटा 31 जनवरी। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव मोरपा एवं अरण्डखेडा में 28 एवं 29 जनवरी को जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति के सहयोग से ''प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम'' आयोजित किये गये। जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति के अधिकारी मुकेश राठौर एवं हेमराज प्रतिहार ने विश्वविद्यालय की टीम के साथ दोनों गांवों के ग्रामीणों को प्रौढ़ शिक्षा के बारे में अवगत करावाया कि जो औपचारिक शिक्षा की आयु को पार कर चुके हैं । उनको प्रेरित करते हुए साक्षरता आधारभूत शिक्षा, कौशल विकास (व्यावसायिक शिक्षा) के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अभियान के तहत निरक्षरों को घर जाकर उनसे सम्पर्क कर उन्हें जागरूक किया जायेगा और असाक्षरों से चर्चा कर कक्षा संचालन के प्रयास किये जायेंगे जिससे कि शिक्षा द्वारा प्रौढ़ लोगों का बौद्धिक व सामाजिक विकास किया जा सके। उक्त कार्य हेतु ऐसे ग्रामीण, युवक एवं युवतियां को चिन्हित किया जाकर उक्त कार्य को सम्पादित किया जाये। विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप कुमार शर्मा ने बताया कि निरक्षरता किसी भी देश के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है। शिक्षा केवल रोजगार के साधन सुलभ नहीं कराती अपितु व्यक्ति के बहुमुखी विकास में सहायक होती है।

शिविर में 62 यूनिट रक्तदान

कोटा 31 जनवरी। लायंस क्लब कोटा स्टार व कोटा सेन्ट्रल हॉस्पीटल के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर व चिकित्सा शिविर का आयोजन हॉस्पीटल के 9वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष मे किया गया वर्षगांठ के उपलक्ष में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 62 लोगों ने रक्तदान किया गया, रक्तदान शिविर में युवाओं, महिलाओं एवं परिवार जनों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया।संयोजक राजेंद्र सोयल जी ने बताया कि समाज सेवा का इससे अच्छा उदाहरण और कोई नहीं हो सकता। इसलिए सेवा के माध्यम से ही हॉस्पिटल कि 9वीं वर्षगांठ को मनाया गया। रक्तदान करना कोटा शहर में परंपरा और अनुशासन का परिचायक बन गया है। ससंयोजक लायन महावीर मेघवाल ने बताया कि रक्तदान शिविर में श्री राम बल्ड बैंक की टीम ने यूनिट रक्त संग्रहित किया वहीं 46 लोगों की हीमोग्लोबिन की जांच की गई।

डीआरएम ने कोटा-नागदा खण्ड पर किया संरक्षा निरीक्षण

कोटा 31 जनवरी। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा ने 31 जनवरी को कोटा-नागदा खण्ड का संरक्षा विन्डो ट्रेलिंग एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संरक्षा मानकों, प्वाट्स, ट्रेनों के संचालन से संबंधित स्टेशन मास्टर पैनल, संरक्षा अनुदेशों की अनुपालना की जाँच की। डीआरएम ने ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के सभी नियमों एवं अनुदेशों की सख्त अनुपालना के निर्देश दिए। साथ ही कोटा-विक्रमगढ़ आलोट खण्ड पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशनों रामगंजमंडी 18.62 करोड़, भवानी मंडी 25.69 करोड़ एवं शामगढ़ 19.20 करोड़ की लागत से चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण कर जायजा लिया। वर्तमान में रामगंजमंडी में 59 प्रतिशत, भवानी मंडी 63 प्रतिशत एवं शामगढ़ 71 प्रतिशत कार्य प्रगति है। डीआरएम ने स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्य को गुणवत्ता मानकों के साथ तीव्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्टेशन कायाकल्प होने पर यात्रियों को उन्नत सुविधाओं का लाभ एवं आर्थिक गतिविधियों के साथ पर्यटन में इजाफा होगा। इस दौरान डीआरएम के साथ सहायक वाणिज्य प्रबंधक अमित वर्मा, सहायक परिचालन प्रबंधक जे एस सोहल, सहायक विधुत इंजीनियर, सहायक मंडल इंजीनियर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा का मुनाफा 5.6% बढ़कर 4,837 करोड़ रुपए

कोटा 31 जनवरी। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए की वित्तीय परिणामों की घोषणा आस्ति पर प्रतिलाभ में निरंतरता एवं सुदृढ़ आस्ति गुणवत्ता = बैंक ने वित्त वर्ष'25 की तीसरी तिमाही में जारी रखा अच्छा प्रदर्शन , एजेंसी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का शुद्ध लाभचालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 5.6 प्रतिशत बढ़कर 4,837 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 4,579 करोड़ रुपए रहा था। मुंबई मुख्यालय वाले बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी तीसरी तिमाही में बढ़कर 34,676 करोड़ रुपए रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 31,416 करोड़ रुपए थी। बैंक की ब्याज आमदनी भी दिसंबर तिमाही में बढ़कर 30,908 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 28,605 करोड़ रुपए थी। बैंक का परिचालन लाभ समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 7,664 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,015 करोड़ रुपए था।.

विचार-मंथन

संपादकीय

नहीं मिलेगी मदद

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के ठीक बाद ही थोक भाव से जिन एक्जीक्युटिव ऑर्डर्स पर दस्तखत किए, उनका असर सामने आने लगा है। ऐसे ही एक आदेश पर अमल करते हुए अमेरिका की एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डिवेलपमेंट ने दुनिया के तमाम देशों को विभिन्न प्रॉजेक्ट्स के लिए दी जाने वाली सहायता तत्काल प्रभाव से रोक दी है। इसने स्वाभाविक ही विकासशील देशों में बेचैनी पैदा की है। यह फैसला इस बात का अच्छा उदाहरण है कि किसी देश की नीतियों में आमूल-चूल बदलाव के लिए राष्ट्रहित बदलना जरूरी नहीं होता, राष्ट्रहित की समझ बदलना, उसकी परिभाषा बदलना भी काफी होता है। ट्रंप प्रशासन की अगुआई में लिए गए इस यू-टर्न के पीछे भी वजह यही है कि अमेरिका का राष्ट्रीय हित तय करने वाली दृष्टि बदल गई है। अगर वित्त वर्ष 2023 में अमेरिकी सरकार ने दुनिया भर में 72 बिलियन डॉलर की सहायता राशि वितरित की, तो वह राष्ट्रीय हितों के विपरीत जाकर लिया गया फैसला नहीं था। इन सहायता राशियों के साथ कई तरह की शर्तें जुड़ी होती थीं जिनसे अमेरिकी हितों की रक्षा सुनिश्चित होती थी। लेकिन नई सरकार ने तय किया कि अमेरिका की बेहतर छवि, उसकी अच्छी साख को वह राष्ट्रहित के लिहाज से उतना महत्वपूर्ण नहीं मानेगी जितना पैसों की शक्ल में होने वाले लेनदेन को। जहां तक भारत की बात है तो 2004 में ही सरकार ने फैसला कर लिया था कि वह विदेश से ऐसी सहायता स्वीकार नहीं करेगी, जिसके साथ ज्यादा शर्तें जुड़ी हों। इस फैसले के बाद धीरे-धीरे भारत आने वाली ऐसी सहायता राशि कम होने लगी। 2023 में यूएसएआईडी से मिली कुल रकम 201.88 मिलियन डॉलर थी, जो 2024 में और घटकर 159.6 मिलियन डॉलर रह गई। फिर भी थोड़ा-बहुत असर इस तरह के प्रॉजेक्ट्स पर पड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन अफ्रीकी देशों और एशिया के बांग्लादेश जैसे मुल्कों पर इस फैसले का गहरा असर होने वाला है। वैसे, अमेरिकी सरकार भी अपने इस कदम के प्रभावों की समीक्षा करेगी। फिलहाल यह रोक 90 दिनों के लिए है। वहां भी इस फैसले के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं।

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

(उमेश चतुर्वेदी)

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमश- 3,773 रुपये और 6,459 रुपये थाय़ यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है। घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं। पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है। गांवों का समृद्ध होना जरूरी है। हाल के दिनों में जनसंख्या को बढ़ाने और न बढ़ाने को लेकर सियासी तौर पर अपने-अपने तर्क दिए जा रहे हैं। इन तर्कों के अपने आधार हो सकते हैं। लेकिन इससे शायद ही कोई इनकार करेगा कि भारत के शहरों की सांस अगर फूल रही है तो इसकी बड़ी वजह उनकी ओर बेतहाशा हो रहा पलायन और उस बड़ी जनसंख्या के लिए इस्तेमाल हो रहे उपभोक्ता वस्तुओं का बड़ा योगदान है। भारत में आबादी बढ़ाने की जगह आबादी के समन्वित और संतुलित वितरण की जरूरत ज्यादा है। ग्रामीण इलाकों में आबादी को रोकने की कोशिश होनी चाहिए।

> *ग्रामीण आबादी को बुनियादी शिक्षा और रोजगार गांवों या उसके आसपास ही उपलब्ध कराने की नीतियों पर आगे बढ़ना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो निश्चित तौर पर आबादी को संतुलित किया जा सकेगा। तब गांव आबादी विहीन नहीं होंगे और शहरों पर आबादी का असंतुलित बोझ नहीं बढ़ेगा।*

फर्नेस ऑयल और पिटकोक ईंधन बन रहा मौत का वाहक

वायु प्रदूषण में पीपीएम का मतलब साफ है कि हवा में गैस के प्रति मिलियन भाग है। रसायन विज्ञान में वायुमण्डल के गैसों की सांद्रता को बताने के लिए पीपीएम का प्रयोग किया जाता है। फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईंधन के रुप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधें, यहां तक की पशु पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। प्रदूषण को लेकर दुनिया में भले ही कितनी भी चिंता व्यक्त की जाती हो, कितने ही बड़े बड़े सम्मेलन होते हो, दुनिया के देशों के प्रमुखों द्वारा कितनी ही साझा बैठकें कर चिंता व्यक्त की जाती हो, कितनी ही गंभीरता का ताना-बाना बुना जाता हो पर धरातल पर देखे तो परिणाम बेहद चौंकाने वाले और गंभीर चिंता का कारण है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की 2024 की रिपोर्ट की ही माने तो वायु प्रदूषण अकारण मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। ग्लोबल एयर की ही रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में सालाना 81 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत का शिकार हो जाते हैं। यदि भारत की ही बात करें तो सालाना 21 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जिंदगी की जंग हार जाते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि दुनिया के देशों में होने वाली 8 मौतों में से एक मौत का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है। ऐसा नहीं है कि सरकारें या न्यायालय या विश्व के राजनेता इससे चिंतित नहीं हो, अपितु लाख गंभीरताओं के बावजूद जो परिणाम सामने आ रहे हैं वह कहीं ना कहीं हमारी व्यवस्था की पोल खोल कर ही रख रहे हैं। अब भारत की ही बात की जाए तो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2017 में एक जनहित याचिका पर निर्णय करते हुए फर्नेस ऑयल और पिटकोक के उपयोग पर रोक लगा दी गई। खासतौर से एनसीआर से जुड़े प्रदेशों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में यह रोक लगाई गई। इसी के क्रम में उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र सहित देश के अनेक प्रदेशों में इसको लेकर गाईड लाईन जारी की जा चुकी है। पर इस सबके बावजूद पेट्रोलियम प्लानिंग एण्ड एनालिसिस सेल के आंकड़े साफ साफ चिढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं।

कृषि संकट का एकमात्र हल नहीं न्यूनतम समर्थन मूल्य

(हिमांशु, एसोशिएट प्रोफेसर, जेएनयू)

पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर जारी किसान नेताओं का आमरण अनशन केंद्र सरकार से बातचीत के आश्वासन के बाद फिलहाल वापस ले लिया गया है। किसान संगठन सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी मांगते रहे हैं। यह मांग नई नहीं है और 2020-21 में किसानों के एक साल के विरोध-प्रदर्शन के दौरान भी यह मांग पुरजोर उठी थी। किसान संगठनों के लिए जहां यह मसला अनिवार्य बन गया है, वहीं राजनीतिक पार्टियों के बीच भी इसकी जरूरत पर व्यापक सहमति बनती दिख रही है। हालांकि, इसके क्रियान्वयन के तौर-तरीके बेशक स्पष्ट नहीं है, पर पिछले पांच वर्षों में कृषि क्षेत्र में आए आर्थिक संकट को देखें, तो यह मांग अनुचित भी नहीं जान पड़ती। एक ऐसे समय में, जब हमारी अर्थव्यवस्था घटती या स्थिर आय के कारण मंदी से गुजर रही है, किसानों पर इसकी सबसे ज्यादा मार पड़ी है। न सिर्फ उनके मुनाफे में कमी आई है, बल्कि कीमतों और जलवायु से जुड़ी अनिश्चितताएं भी बढ़ गई हैं। शहरी और गैर-कृषि अर्थव्यवस्था में अवसरों की कमी आने से खेती-किसानी पर लोगों की निर्भरता बढ़ गई है। इसीलिए, पिछले पांच वर्षों में खेतिहर मजदूरों की कुल संख्या में करीब 6.8 करोड़ की वृद्धि हुई है। इसका नुकसान यह हुआ है कि प्रति किसान आय में कमी आई है। स्थिति यह है कि करीब एक दशक से कृषि मजदूरी स्थिर है, कृषि-कार्यों में लगे लोगों की दशा खराब हुई है और पिछले पांच वर्ष में प्रति किसान आय में भारी गिरावट देखी गई है। आंकड़े बताते हैं कि 2017-18 और 2022-23 के बीच किसानों की आमदनी में प्रतिवर्ष 2.9 फीसदी की कमी आई है। इसकी तुलना 2004-05 और 2011-12 के बीच किसानों की आय में हुई सालाना 7.5 फीसदी की वास्तविक वृद्धि से करें, तो पिछले दशक में, यानी 2011-12 से 2022-23 के दौरान किसानों की आमदनी बमुश्किल एक प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ी है। यह पिछले चार दशक का सबसे बदतर दशक साबित हुआ है। यहां तक कि साल 2016-17 की तुलना में भी, जब सरकार ने किसानों की आमदनी दोगुनी करने की घोषणा की थी, किसानों की वास्तविक आमदनी में 0.8 फीसदी सालाना की दर से कमी ही आई। जाहिर है, हमारे अन्नदाता सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। फसल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घटते फायदे जहां अहम मसले हैं, वहीं कम होते प्राकृतिक संसाधन, विशेषकर जल और जमीन की घटती गुणवत्ता भी किसानों को खासा परेशान कर रही है। फिर, कर्ज बाजार की विसंगतियों ने बड़ी संख्या में छोटे व सीमांत किसानों के साथ-साथ काश्तकारों के लिए कर्ज लेना मुश्किल बना दिया है। इससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है। इतना ही नहीं, किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़ा हुआ है और जलवायु परिवर्तन के कारण बार-बार सामान्य से अधिक गर्मी व बेमौसम बारिश के कारण उनकी लागत कई गुना बढ़ गई है। इन समस्याओं से पार पाने के लिए कृषि क्षेत्र में बड़े सार्वजनिक निवेश की जरूरत है। कृषि-नीतियों में किसानों के लिए आमदनी और अस्थिर कीमतों से सुरक्षा संबंधी नीति कोई अलग सोच नहीं है। यह तो कई अन्य देशों में भी प्रचलित है। ऐसा अनेक विकासशील देशों में भी होता है और विकसित राष्ट्रों में भी। मिसाल के लिए, यूरोपीय संघ की एक साझा कृषि नीति है, जबकि अमेरिका में सुरक्षात्मक। अमेरिका में तो समर्थन मूल्य के दायरे में कई प्रकार की फसलों के अलावा डेयरी और अन्य पशुधन उत्पाद भी आते हैं। बहरहाल, सिर्फ एमएसपी की गारंटी देने से खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। हालांकि, सच यह भी है कि एमएसपी के मौजूदा तंत्र में सुधार की दरकार है, खासकर चुनिंदा फसलों को इसका लाभ देने और इसकी भौगोलिक सीमाओं को देखकर। लिहाजा, एमएसपी के तहत अधिक से अधिक फसलों की खरीद होनी चाहिए। इसके साथ ही मूल्य नियंत्रण, स्टॉक की सीमा, अनुचित अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों आदि से जुड़ी नीतियों में भी बदलाव होने चाहिए।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5629

5			6		7			
	4		3		9	8		
3	7							1
4							3	
6	3		1	2	5		9	4
	1							8
8							7	6
		7	2		6		1	
			5		3			9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5628

2	8	9	4	7	5	1	3	6
5	7	6	1	8	3	4	2	9
3	1	4	2	9	6	8	5	7
7	6	2	5	1	8	3	9	4
4	5	1	9	3	2	6	7	8
9	3	8	6	4	7	2	1	5
6	9	7	8	2	1	5	4	3
8	2	3	7	5	4	9	6	1
1	4	5	3	6	9	7	8	2

वर्ग पहेली 5629

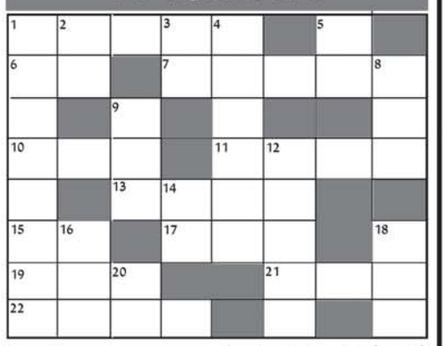

संकेत: बाएं से दाएं

१. ये एक पत्रकार और राजनेता थे, और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से रायबरेली के पूर्व सांसद जिनका जन्मदिन 12 सिंतबर 1912 है (5)
6. हुकुमत, शासनकाल, प्रभुत्व (2)
7. धैर्यशील, समदर्शी, सहिष्णु (5)
10. लखनऊ शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह उत्तर भारत की एक प्रमुख नदी है (3)
11. प्रकृति, अदिति, निसर्ग (4)
13. पुरूषोत्तम मास, अधिकमास (4)
15. गुनाह, दोष, अपराध, त्रुटि (2)
17. धातु पटल, चांदी का पतला पत्तर (3)
19. परिवार का बुजुर्ग, पूर्वज, वयोवृद्ध (3)
21. किसी दूसरे के माथे या ललाट पर तिलक लगाना (3)
22. इस अभिनेत्री ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसिन खान से विवाह किया था (4)

संकेत: ऊपर से नीचे

१. उर्दू भाषा के प्रसिद्ध रचनाकार जिनका मूल नाम रघुपति सहाय था (8)
2. प्रतिदिन, नित्य, अहोरात्र (2)
3. निर्देशक रिचर्ड एटनबरो की ऐतिहासिक फिल्म जो भारत के महान व्यक्ति के जीवन पर बनी है (1982)(2)
4. फिल्म अभिनेता और टीवी के स्टॉर प्रोड्यूसर रहे (1985-1992)(6)
5. यह द्वीप इंडोनिशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है (2)
8. किसी वस्तु के निर्माण का खर्च (3)
9. वह बाल जिसके पिता का निधन हो चुका हो (3)
12. संख्या मे दस कोटिक (5)
14. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी)(2)
16. सद्गति प्राप्त करवाना (3)
18. आश्रय, शरण, छत्रछाया (3)
20. नमकीन, लवणीय, लावणिक, लोना (3)

वर्ग पहेली 5628 का हल

शि	का	गो		मा	ल	दी	व
व		पी	प	ल		न	र
तां	ता		र	वा	ना		मा
ड	म	रू		ह		म	ला
व		पा	ल	क		क	
		गां	व		द्वा	र	का
पं		गु		दी	प	ध्व	ज
गु	ग	ली			र	ज	

आज का राशिफल

मेष
आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। शाम के वक्त आपका कोई रुका कार्य बन सकता है। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

वृष
आज लाभ का दिन है और आपके लिए तरक्की के योग हैं। कार्यक्षेत्र में जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य प्राप्त होगा। आपको संतान पक्ष के लोगों से आशाजनक समाचार मिल सकता है। शाम के वक्त आपका कोई रुका कार्य बन सकता है। रात का समय प्रियजनों के साथ आनंद में बीतेगा। आपका दिन आमोद-प्रमोद में बीतेगा और आपको किस्मत का भरपूर साथ मिलेगा।

मिथुन
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन संतोष व शांति से भरा होगा। राजनीतिक क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन और सत्ता से गठजोड़ का लाभ आपको मिल सकता है और आपके कुछ रुके कार्य पूर्ण हो सकते है। आपको नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला
आज लाभ होगा और आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग हैं। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी और मान सम्मान में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपके लिए संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। शाम से लेकर रात तक आपको मित्रों का साथ मिलेगा और कारोबार में प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

वृश्चिक
आज लाभ और सफलता प्राप्त होगी। रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमे में जीत हो सकती है और आपके लिए तरक्की के संयोग बनेंगे। आपके शुभ खर्च और कीर्ति में वृद्धि होगी और आपका दिन सफलता से भरा होगा।

धनु
आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। किसी कारण से आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ सकती है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे। आपका कोई काम बन जाने से आपको खुशी होगी और आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क
आज का दिन गुरु और चंद्रमा की युति से लाभप्रद रहेगा। आपको वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी से खुशी और लाभ मिलने का योग है। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर कोई काम शुरू कर सकते हैं। ससुराल पक्ष के संबंधियों से भी आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता में मकर राशि वाले सफलता पाएंगे।

सिंह
आज ज्यादातर समय ऑफिस के बाहर के कामों में बीतेगा। आपकी योजनाओं पर काम करने में कुछ मुश्किलें आ सकती हैं। काम के साथ-साथ मनोरंजन पर भी ध्यान रहेगा, जिस पर काफी खर्च होगा।रात में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। आपको संतान की तरफ से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कन्या
आज नौकरीपेशा लोगों को उनकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। प्रतिस्पर्धा की भावना तेज रहेगी। काम की अधिकता के कारण आराम का समय कम मिलेगा। काम के दबाव में चिड़चिड़ापन से बचें, बेवजह के झगड़े हो सकते हैं। पैसों के मामले में दिन शुभ रहेगा।

मकर
आज भाग्य साथ देगा और आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का अंत होगा और आपके सभी रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपको पास और दूर की यात्रा पर जाने का कोई काम करना पड़ सकता है।

कुंभ
आज दिन शुभ है और ऑफिस में लोग आपके काम की प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। शाम से लेकर रात तक का वक्त परिवार के लोगों के साथ अच्छा बीतेगा और आप कहीं घूमने जाने के बारे में सोच सकते हैं। आपको सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन
आज करियर में सफलता प्राप्त होगी और आपका दिन शानदार बीतेगा। आपको किसी बीमारी के कारण से डॉक्टर के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। आपके घर में कोई मेहमान आ सकता है। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और आपके लिए तरक्की के योग बनेंगे। कोई प्रिय व्यक्ति आपसे मिलने आपके घर आ सकता है। उसके साथ आपका समय अच्छा बीतेगा।

बोर्ड परीक्षा की टेंशन में हो रहे हैं परेशान? बिना स्ट्रेस कम समय में खुद को ऐसे करें तैयार

बोर्ड परीक्षा में अब काफी कम समय बचे हैं। इस दौरान अगर आप भी तनावपूर्ण महसूस कर रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स और प्लानिंग के बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो करके आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कक्षा 10 और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी महीने में ली जाएंगी। डेटशीट के अनुसार, दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं 15 फरवरी 2025 से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षाएं 4 अप्रैल तक चलेंगी। इसके अलावा फरवरी से लेकर अप्रैल महीने तक अन्य राज्यों की बोर्ड परीक्षाएं भी खत्म हो जाएंगी।

कुछ स्टूडेंट्स तो एग्जाम की प्रिपरेशन सेशन की शुरुआत से ही अच्छी तरह करते हैं। वहीं, कुछ बच्चे अपनी जमकर तैयारी आखिरी के कुछ महीनों से करना शुरू कर देते हैं। तैयारी चाहें जितना भी कर लें, लेकिन बोर्ड परीक्षा का समय नजदीक आते ही छात्रों में तनाव बढ़ने लगता है। हालांकि सही रणनीति और बेहतर प्लानिंग से पढ़ाई करने के बाद, वे अपने एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं। यहां कुछ कारगर टिप्स बताए गए हैं, जिससे आपको कम समय में बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने में मदद मिल सकती है। बोर्ड एग्जाम 2025 की कम समय में ऐसे करें तैयारी

टाइम टेबल बनाकर फॉलो करें

बोर्ड एग्जाम के लिए आपके पास सिर्फ एक ही महीना बचा है। इस दौरान आपको जमकर तैयारी करने की जरूरत है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई पर फोकस करने की जरूरत है। एक प्रभावी टाइम टेबल का शेड्यूल बनाकर आप सभी विषयों को बराबर समय दें। इसमेंकठिन विषयों के लिए ज्यादा समय रखें और सरल विषयों को रिवीजन के लिए छोड़ दें। इसी रुटीन के साथ अपनी पढ़ाई शुरू कर दें। ध्यान रहे आपको सारे विषयों पर फोकस करना है। चाहे वह आसान हो या मुश्किल आपको सारे सब्जेक्ट पर अच्छी पकड़ बनाना जरूरी है, ताकि आप एग्जाम में अच्छी तरह से लिख सकें। पढ़ाई के साथ ब्रेक्स को भी जरूर शामिल करें।

शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई के साथ तय करें छोटे-छोटे लक्ष्य

बड़े टॉपिक्स को छोटे हिस्सों में बांट लें। रोजाना के लिए छोटे-छोटे टारगेट सेट करें और उन्हें पूरा करें। यह तरीका आपको विषयों को जल्दी कवर करने में मदद कर सकता है।शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई करने के साथ-साथ टॉपिक कवर करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य सेट करना बेहद जरूरी है।

रिवीजन पर दें जोर

पढ़ाई पूरी करने के बाद और शुरू करने से पहले रिवीजन जरूर करें।हर विषय का ज्यादा से ज्यादा रिवीजन करें। रिवीजन के लिए नोट्स और शॉर्टकट फॉर्मूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रिवीजन के दौरानमुश्किल टॉपिक्स को आसान भाषा में और शॉर्ट में लिखें।ये परीक्षा से पहले तेजी से रिवीजन के वक्त भी काम आ सकते हैं।

पुराने प्रश्न पत्र हल करें और प्रैक्टिस टेस्ट दें

पिछले सालों के बोर्ड एग्जाम के प्रश्न पत्रों को हल करें। इससे आपको परीक्षा के पैटर्न और कठिनाई स्तर का अंदाजा होगा। समय सीमा के अंदर प्रश्न पत्र हल करने की प्रैक्टिस करें। इसके अलावा, घर पर खुद के लिए मॉक टेस्ट सेट करें। इससे समय प्रबंधन और लिखने की गति में सुधार आने की संभावना बढ़ेगी। परीक्षा के दिन के लिए खास टिप्स परीक्षा से एक दिन पहले नई चीजें न पढ़ें। पहले जो भी पढ़ा है उसे बस एक बार रीड करके रिवीजन कर लें।समय से सो जाएं और मानसिक शांति बनाए रखें। परीक्षा हॉल में सवालों को ध्यान से पढ़ें और समय का सही इस्तेमाल करें।

फ्यूचर है प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री, खोजें करियर के छिपे हुए अवसर

आज के समय में लोग वीगन हो रहे हैं या फिर प्लांट-बेस्ड फूड की तरफ उनका झुकाव काफी बढ़ने लगता है। ऐसे में प्लांट बेस्ड फूड इंडस्ट्री में करियर की ढेरों संभावनाएं पैदा हुई हैं। भारत में प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री काफी तेज़ी से बढ़ रही है। आज के समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि कई दिग्गज सेलेब्स भी प्लांट बेस्ड फूड के फायदों को समझने के साथ-साथ उसे अपनाने लगी है। जैसे-जैसे ज्यादा से ज्यादा लोग अपनी हेल्थ से लेकर पर्यावरण के बारे में जागरूक हो रहे हैं, प्लांट-बेस्ड विकल्प हर जगह उभर रहे हैं। आज के समय में प्लांट-बेस्ड डेयरी से लेकर स्नैक्स और मील तक, लोग कई चीजों की डिमांड करने लगे हैं। जिसकी वजह से इस फील्ड में करियर के कई नए ऑप्शन खुले हैं।

आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट से लेकर मार्केटिंग और फूड टेक्निक तक में अपने लिए करियर की नई संभावनाएं खोज सकते हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जिसकी आने वाले समय में भी काफी डिमांड रहेगी। प्लांट-बेस्ड क्रांति अभी शुरू ही हुई है, इसलिए अभी इस फील्ड में बहुत ज्यादा स्कोप है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप कहां-कहां करियर ऑप्शन की तलाश कर सकती हैं-

प्रोडक्ट डेवलपमेंट

प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट फील्ड में भी करियर बन सकते हैं। इसमें आपको एनिमल बेस्ड फूड के बेहतरीन अल्टरनेटिव देंगे, जो प्लांट बेस्ड हो। आज के समय में लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाना चाहते हैं, लेकिन अपने टेस्ट बड के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं। इसलिए, वे प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट की तलाश करते हैं। ऐसे में आप किसी बड़ी कंपनी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर खुद का स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। इस फील्ड में अपने कदम जमाने के लिए आपको फूड साइंस से लेकर प्लांट बेस्ड इंग्रीडिएंट की अच्छी समझ होनी चाहिए।

न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग

आप चाहे तो न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग की फील्ड में भी अपना करियर बना सकते हैं। आज के समय में प्लांट बेस्ड डाइट में स्पेशलाइजेशन रखने वाले न्यूट्रिशनिस्ट की काफी डिमांड है। आप भी इसमें स्पेशलाइजेशन करके लोगों या किसी बिजनेस को प्लांट बेस्ड लाइफस्टाइल पर स्विच करवाने में मदद कर सकते हैं। चूंकि आज के समय में अधिक से अधिक लोग प्लांट बेस्ड डाइट चुन रहे हैं, इसलिए पर्सनलाइज्ड न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की डिमांड भी काफी बढ़ रही है। करियर बनाने के लिए जरूरी बातें आप ध्यान रखते हैं, तो आपकी लाइफ अच्छी रहेगी।

सेल और बिजनेस डेवलपमेंट

अगर आपमें मार्केटिंग स्किल्स भी हैं और आप लोगों से संबंध बनाने में अच्छे है तो आप सेल और बिजनेस डेवलपमेंट की फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। इसमें आप प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट के लिए एक नई मार्केट खड़ी करने में अपने स्किल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाने में इच्छुक होने लगे हैं, लेकिन फिर भी यह फूड इंडस्ट्री अभी काफी नई है, इसलिए इस बारे में जानकारी फैलाने और एक मार्केट बिल्ड करने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है।

फूड जर्नलिज्म और कंटेंट क्रिएशन

अगर आपको प्लांट बेस्ड फूड खाने के साथ लिखने का भी शौक है, तो आप प्लांट बेस्ड फूड्स से लेकर नई तरह की डिशेज आदि के बारे में लिख सकते हैं या फिर नए ट्रेन्ड्स के बारे में लोगों को बता सकते हैं। आप ना केवल अलग-अलग पब्लिकेशन के लिए लिख सकते हैं, बल्कि फूड ब्लॉगिंग कर सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल खोल सकते हैं। जैसे-जैसे आप लोगों को प्लांट बेस्ड डाइट से जुड़ी नई जानकारियां और डिशेज आदि के बारे में बताते हैं, लोग आपसे जुड़ते चले जाते हैं। इससे आपको पैसे के साथ-साथ पब्लिसिटी भी मिलती है।

पॉडकास्टिंग में करियर शुरू करने से पहले जान लें ये चार टिप्स, मिलेगी अपार सफलता

आज के समय में पॉडकास्टिंग का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है और लोग इसे सिर्फ शौक के लिए ही नहीं करते हैं, बल्कि अब इस फील्ड को एक करियर ऑप्शन के रूप में देखा जाने लगा है। जहां पर आप अपनी क्रिएटिविटी को एक नए अंदाज में लोगों के सामने पेश कर सकते हैं और पैसे के साथ-साथ अच्छा-खासा नाम भी कमा सकते हैं। यह एक ऐसी दुनिया है, जिसमें आपको यकीनन काफी मज़ा आने वाला है।

यूं तो इसके लिए किसी प्रोफेशनल कोर्स की जरूरत नहीं होती है और आज के समय में बहुत से लोग इस फील्ड में काम कर रहे हैं। लेकिन एक सफल पॉडकास्ट बनाने के लिए आपको अपनी मेहनत, समय और क्रिएटिविटी को इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन एक बार जब आप लोगों को पसंद आने लगते हैं तो लोग आपका वास्तव में इंतजार करना शुरू कर देते हैं। पॉडकास्टिंग के फील्ड में सफल करियर बनाने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना जरूरी है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

तय करें एरिया

अगर सच में आप पॉडकास्टिंग फील्ड में अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप सबसे पहले किसी एक फील्ड को चुनें। पॉडकास्टिंग फील्ड बहुत बड़ी है, ऐसे में आप हर फील्ड को नहीं चुन सकते। फिर चाहे वह फ़िटनेस हो, टेक हो या स्टोरीटेलिंग हो, आप किसी एक ऐसे एरिया को चुनें, जो आपको काफी अच्छा लगता है। अगर आप कोई खास क्षेत्र चुनते हैं, तो इससे आपको एक खास ऑडियंस को आकर्षित करने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं, इससे आप समय के साथ विषय के एक्सपर्ट कहलाने लगते हैं, जिससे कहीं ना कहीं आपकी विश्वसनीयता भी बढ़ती है।

रहें कंसिस्टेंट

जब आप पॉडकास्ट शुरू कर रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप कंसिस्टेंसी बनाए रखें। चाहे आप सप्ताह में या फिर पन्द्रह दिन में अपलोड करें, लेकिन शेड्यूल पर टिके रहें। इससे ऑडियंस के साथ एक विश्वास बनता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि उन्हें कब नया कंटेंट देखने को मिलेगा। साथ ही, अगर उन्हें आपका काम पसंद आता है तो वे आपके अगले एपिसोड का इंतजार भी करते हैं।

ऑडियंस को भी करें शामिल

पॉडकास्टिंग का मतलब सिर्फ अपनी बात को कह देना ही नहीं है, बल्कि आपको अपने श्रोताओं के साथ भी एक रिलेशन बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए उन्हें एंगेज करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप उनके कमेंट का जवाब दें, फ़ीडबैक मांगें और उन्हें अपने एपिसोड में शामिल करें। चाहे सोशल मीडिया के ज़रिए हो या ईमेल के ज़रिए, ऑडियंस की भागीदारी से एक कम्युनिटी बिल्डअप करने में मदद मिलती है। साथ ही साथ, जब आप अपनी ऑडियंस से फीडबैक लेते हैं तो इससे आपको अपने कंटेंट को और भी ज्यादा बेहतर बनाने में मदद मिलती है, क्योंकि आपको यह समझ में आता है कि लोगों को ज्यादा क्या पसंद आता है।

कंटेंट पर करें फोकस

अगर आप सच में अपने पॉडकास्ट चैनल को समय के साथ आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं तो इसके लिए कंटेंट पर फोकस करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप किसी भी एपिसोड से पहले उसके कंटेंट पर खासा काम करें। इसके लिए आप अच्छी तरह से रिसर्च जरूर करें। ध्यान रखें कि अच्छा कंटेंट ही ऑडियंस को बार-बार वापस आने के लिए मजबूर करता है। इतना ही नहीं, जब आप अपने पॉडकास्ट कंटेंट पर मेहनत करते हैं तो इससे आप बाकी सभी चैनल से कुछ अलग व नया करते हैं, जो लोगों को काफी पसंद आता है।

साइकोलॉजी के फील्ड में बनाना है करियर तो इन ऑप्शन्स को करें एक्सप्लोर

साइकोलॉजी एक ऐसी फील्ड है, जो बेहद ही एक्साइटिंग है। इसमें आप लोगों की सोच और उनके व्यवहार को गहराई से समझने की कोशिश करते हैं। साथ ही साथ, उनके मेंटल हेल्थ स्ट्रगल्स को भी ठीक करने में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। यह फील्ड बहुत ही वर्सेटाइल है, जिसमें आप क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से लेकर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट तक कई तरह की फील्ड को चुन सकती हैं और अपने करियर को आगे बढ़ा सकती हैं। इस फील्ड में आप अपनी पसंद व प्राथमिकताओं के आधार पर आगे बढ़ सकते हैं। फिर चाहे आप लोगों के साथ आमने-सामने काम करना पसंद करते हों या रिसर्च करना चाहते हों या फिर एथलीट्स को उनका बेस्ट देने में मदद करना चाहते हों, साइकोलॉजी में आपके पास ऑप्शन्स की कोई कमी नहीं है।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से लोगों की मेंटल हेल्थ कंडीशन को बेहतर बनाने पर काम करते हैं। वे एंग्जाइटी से लेकर सिज़ोफ्रेनिया जैसी गंभीर मेंटल हेल्थ प्रोब्लम्स से निपटने में मदद करते हैं। वे खुद का क्लिनिक खोलकर अकेले भी काम कर सकते हैं या फिर हॉस्पिटल्स में अपनी सर्विसेज दे सकते हैं। अगर आपको लोगों की मदद करना अच्छा लगता है तो आप बतौर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट

यदि आपको बच्चों के साथ काम करना पसंद है, तो स्कूल साइकोलॉजी में करियर बनाना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। स्कूल साइकोलॉजिस्ट एक लाइसेंस मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स होते हैं और वे बच्चों से लेकर टीचर्स और पैरेंट्स की एकेडमिक, सोशल और इमोशनल जरूरतों को समझते हुए उन्हें पूरा करने में मदद करते हैं। वे टीचर्स और पैरेंट्स के साथ मिलकर बच्चों की ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए स्ट्रैटेजी बनाते हैं।

फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट

साइकोलॉजी के फील्ड में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट बनना भी एक अच्छा विचार हो सकता है। वास्तव में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट लीगल सिस्टम के साथ काम करते हैं और उन्हें अपराधी के व्यवहार को समझने में मदद करते हैं। यहां तक कि क्रिमिनल इनवेस्टिगेशन में भी मदद करते हैं। इस तरह वे साइकोलॉजी को कानून के साथ जोड़ने की एक कड़ी के रूप में काम करते हैं।

स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट

अगर आप खेलों में रुचि रखते हैं और यह जानना पसंद करते हैं कि माइंड परफार्मेंस को कैसे प्रभावित करता है, तो स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एक बेहतर फील्ड हो सकता है। यह एक उभरता हुआ फील्ड है, जिसमें प्रोफेशनल एथलीट्स को उनकी परफार्मेंस बेहतर बनाने से लेकर प्रेशर से डील करने और इंजरीज को रिकवर करने के लिए मेंटल स्ट्रैटेजी पर फोकस करते हैं।

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट एक्सपेरिमेंट्स से लेकर डेटा के साथ काम करना पसंद करते हैं। ये साइकोलॉजिस्ट यूनिवर्सिटीज, रिसर्च इंस्टीट्यूट्स या फिर प्राइवेट सेक्टर्स में काम करते हैं। वे ये समझने के लिए अध्ययन करते हैं कि व्यक्ति कैसे सोचते हैं, महसूस करते हैं और व्यवहार करते हैं।

फोरेंसिक ऑडिट एवं ई-फाइलिंग में लागत लेखाकार का महत्वपूर्ण स्थान-सीएमए मित्तल

कोटा, 31 जनवरी। इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट अकाउंटेंट ऑफ इंडिया के कोटा चैप्टर द्वारा फोरेंसिक ऑडिट में ई-फाइलिंग विषय पर सीएमए भवन, बसन्त विहार, कोटा में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कोटा चैप्टर के चेयरमैन सीएमए राजेन्द्र नाटाणी ने बताया कि सेमिनार में भाजपा जिलाध्यक्ष, राकेश कुमार जैन मुख्य अथिति थे और नार्थन रीजन के उपाध्यक्ष सीएमए सत्य नारायण मित्तल विशिष्ट अतिथि थे।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने किया वृक्षारोपण

कोटा 31 जनवरी 2025, इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु आई एल टेम्पल में वृक्षारोपण किया गया क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी एवं सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि मुख्य अतिथि कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष रवीन्द्र त्यागी एवं इनर व्हील क्लब की डिस्ट्रिक चेयरमेन स्वाति गुप्ता के नैतृत्व में आई एल टेम्पल में वृक्षारोपण किया गया क्लब सदस्यों द्वारा नीम, पीपल और आम के पौधे लगाये गये क्लब अध्यक्ष, सेक्रेट्री एवं आई एस ओ शशि झंवर द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया आई एस ओ श्रीमति शिखा अग्रवाल ने बताया कि क्लब सदस्य रजनी अरोड़ा, रेणु लालपुरिया, सुशीला मित्तल द्वारा मन्दिर प्रांगण में डस्टबीन भी रखवाये गये

कार्यकर्ता का विश्वास और स्नेह ही भाजपा की ताकत - राकेश जैन

कोटा 31 जनवरी। राधे कृष्णा कॉन्वेंट स्कूल रंगबाडी के प्रबंधक रवि शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा, पुनः भाजपा कोटा शहर जिलाध्यक्ष बनने पर, राकेश जैन का अभिनंदन किया गया। रवि शर्मा द्वारा जिलाध्यक्ष राकेश जैन को साफा, शॉल, पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने अभिनंदन के लिये रवि शर्मा सहित टीम का आत्मिक आभार प्रकट कर कहा कि आज केन्द्र व राज्य मे भाजपा की डबल इंजन की सरकार है। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश का एवं राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान राज्य का चहुमुंखी विकास हो रहा है। हम सभी के लिये गर्व का विषय है कि कोटा बूंदी संसदीय क्षैत्र से जन जन के लाडले, सबके दुख दर्द के हमेशा खडे रहने वाले ऐसे हम सबके आदरणीय ओम जी बिरला आज लोकसभा अध्यक्ष पद पर शोभायमान है।

कोटा में आज यहां बिजली बंद रहेगी

कोटा। विद्युत लाइनों के रखरखाव के कारण शनिवार को निम्न स्थानों पर बिजली बंद रहेगी। सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक केशवपुरा सेक्टर 6 और 7, महावीर नगर सेक्टर 2 और 3 आदि। सुबह 10.30 से दोपहर 2.30 बजे तक-पार्श्वनाथ, नांता आदि।

कोटा में हॉस्टल, पीजी पंजीकरण की तिथि 7 फरवरी तक बढ़ाई

कोटा, 31 जनवरी। राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों एवं कामयाब कोटा अभियान के तहत कोचिंग क्षेत्र के सभी हॉस्टल, पीजी संचालकों को अपने संस्थानों का पंजीकरण ऑनलाइन इस लिंक ीजजचेरूध्धंउलंइावजंण्बवउध् पर अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए गए हैं। पहले यह तिथि 31 जनवरी तक निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 7 फरवरी कर दिया गया है। अभियान के तहत अब तक कुल 3101 पंजीकरण किए जा चुके हैं, जिनमें 1619 हॉस्टल और 999 पीजी शामिल हैं। साथ ही, 483 अनुपयोगी प्रविष्टियों (जंक) की पहचान की गई है। पंजीकरण नहीं कराने वाले हॉस्टल, पीजी संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सभी संबंधित संचालक दिए गए लिंक पर जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन पूरा करें।

पॉलिसी वितरण कार्यक्रम 1 फरवरी से 15 मार्च तक

कोटा, 31 जनवरी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अन्तर्गत रबी 2024-25 में पॉलिसी वितरण कार्यक्रम ''मेरी पॉलिसी मेरे हाथ'' जिले एग्रीकल्चर इंष्योरेन्स कम्पनी ऑफ इन्डिया लिमिटेड के द्वारा सम्पूर्ण ग्राम पंचायत स्तर पर पॉलिसी वितरण कार्यक्रम 1 फरवरी से 15 मार्च तक कार्यक्रम जारी किया गया है। संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार ने बताया कि जिले के कृषक जिन्होंने रबी 2024-25 में फसल बीमा करवाया है उनसे अपील की है कि ग्राम पंचायत पर कार्यरत कृषि पर्यवेक्षक, बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क कर नियत की गई तिथि को ग्राम पंचायत में जाकर अपना पहचान पत्र दिखाकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसल बीमा पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं।

"पालनहार" की सार-संभाल के लिए शिक्षक बने "अभिभावक"

कोटा, 31 जनवरी।राज्य सरकार की पालनहार योजना माता, पिता को खो चुके या परिस्थितियोंवश माता-पिता के साये से वंचित या दिव्यांग एवं अन्य श्रेणी के बच्चों के पालन पोषण के लिए वरदान साबित हो रही है। यह योजना सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से संचालित है लेकिन योजना का प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन हो सके, आवेदक को इसका लाभ लेने के लिए परेशान नहीं होना पडे तथा कोई भी पात्र योजना से वंचित नहीं रहे, इसके लिए जिला कलक्टर डॉ रविन्द्र गोस्वामी ने संवेदनशील पहल करते हुए शिक्षा विभाग के संस्था प्रधानों को ऐसे बच्चों के अभिभावक की जिम्मेदारी सौंपी हैं। मंशा यह है कि जिले का कोई पात्र बच्चा योजना से वंचित नहीं रहे, यदि वह जिले या राज्य के बाहर पलायन भी कर गया है तो भी उसे येन-केन ढूंढकर योजना से जोडने का ठोस काम किया जाए।

आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के 45वें दीक्षा दिवस पर हुआ भव्य पूजन एवं दीप प्रज्वलन

कोटा। जैन संत 108 आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज का 45वें दीक्षा दिवस महावीर नगर द्वितीय स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में सेवा, साधना और समर्पण के रूप में मनाया। मंदिर अध्यक्ष दर्पण जैन ने बताया कि इस पावन अवसर पर 45 इंद्र परिवारों द्वारा विशेष पूजन एवं दीप प्रज्वलन किया गया। इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्ति भाव से भाग लिया और गुरु भक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। पूजन के मुख्य यजमान का सौभाग्य चेतन कुमार, विशाल जैन एवं अर्पित कुमार सराफ को प्राप्त हुआ। पार्षद गोपाल मंडा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सकल समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता ने भी 108 आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के ज्ञान,जनहित,करूणा व दया पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पुष्पगिरी प्रणेता आचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी महाराज की दिव्यता का बखान किया।

पोस्टर विमोचन-इस अवसर पर 2 मार्च को आयोजित विशेष दीक्षा दिवस कार्यक्रम के लिए पोस्टर विमोचन भी किया गया।

पोस्टर विमोचन समारोह में यतीश खेड़ा, अर्पित जैन एवं गोपाल राम मंडा ने विमोचन किया और कार्यक्रम की भव्यता को दर्शाते हुए समाज के सभी लोगों से इसमें शामिल होने का आह्वान किया। इस दिव्य आयोजन में सकल जैन समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता, कार्याध्यक्ष जे.के. जैन, महामंत्री विनोद टोरडी, राजेश मंगलम, ईश्वर सोनी एवं मनोज जयसवाल सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज शनिवार को प्रातः 7:30 बजे आके पूरम जैन मंदिर के लिए विहार करेंगे।

दाधीच वेलफेयर सोसायटी द्वारा डीपीएल का आयोजन आज

कोटा। दाधीच वेलफेयर सोसायटी कोटा द्वारा 2 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन किया जा रहा है। श्री प्रदीप दाधीच ने बताया कि दाधीच प्रीमियर लीग का आयोजन 01 और 02 फ़रवरी को किया जा रहा है। आयोजन में 6 टीमों के मध्य 10 ओवर के मैच आयोजित किए जाएगें। 01 फ़रवरी को 3 मैच व 02 फ़रवरी को सेंट जॉन्स स्कूल बूंदी रोड के क्रिकेट मैदान में 5 मैच होंगे। संयोजक नीतेश दाधीच ने बताया कि डीपीएल का आयोजन बहुत रोमांचक होगा ।खिलाड़ियों द्वारा छक्के और चौके लगाए जाने पर ढोलक की थाप से उत्साहवर्धन किया जाएगा। उन्होने बताया कि पावर हीटर्स,रेड राइडर,डोमिनेटर्स,ट्रॉफी फाइटरस,अवेंजर्स और चैंपियंस 6 टीमें आपस में मुकाबले को उत्साहित है।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में वार्षिक उत्सव व प्रतिभा सम्मान आयोजित किया गया

अंता 31 जनवरी। कस्बे के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय एन टी पी सी रोड अंता मे वार्षिक उत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बडी धूमधाम से किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती मंसा मीणा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बनवारी लाल बैरवा उपखंड अधिकारी अंता व सतीश नागर थे। विशिष्ट अतिथि वार्ड पार्षद पवन दाधिच थे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वति पूजन से हुई।समारोह मे छात्र - छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित,सूर्य नमस्कार, आत्मरक्षा,व देश भक्ति गीतो पर अपने डांस की प्रस्तुतिया दी।

कार्यक्रम के संयोजक धर्मराज मेघवाल ने बताया कि गत वर्ष परीक्षा मे उत्कृष्ट परिणाम वाली छात्राओं को ,खेल मे राज्य स्तर पर चयन होने,पर्यावरण के क्षेत्र मे योगदान देने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर व शिक्षण के क्षेत्र मे उत्कृष्ट सेवा देने वाले शिक्षको का सम्मान किया गया।विद्यालय की पूर्व छात्रा ,सुरभि खंडेलवाल, नीलम शर्मा, रोशनी खंडेलवाल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत मे विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्रधानाचार्या उजमा नाज सिध्दीकी ,अनिता मीणा,शीला तोमर,चंदेश राठोर, समरीन कौशर होस्टल वार्डन,संध्या शर्मा, मंजू नामा,सोनल चौरसिया,चंद्र कलां, नीरज मालव,उमाशंकर नागर,हनीफ मोहम्मद, धर्मराज मेघवाल, सुरेन्द्र नागर,शिव सिंह उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन निर्मला शर्मा द्वारा किया गया।

बारां में पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

शेरगढ़ किला, बिलासगढ़ सहित कई स्थलों का होगा विकास, इको टूरिज्म पर विशेष फोकस

बारां। बारां में पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जिला स्तरीय पर्यटन विकास समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई। जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पर्यटन विकास से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। कलेक्टर ने शाहाबाद किला, शेरगढ़ किला और अभयारण्य, सोरसन, बिलासगढ़ और रामगढ़ क्रेटर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों की समीक्षा की। इको टूरिज्म को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया, जिसके तहत प्राकृतिक स्थलों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से विकसित किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वॉच टावर और वन क्षेत्र में पुलिया की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाएगी। पर्यटन स्थलों पर साइन बोर्ड लगाए जाएंगे और जरूरत के अनुसार डस्टबिन की व्यवस्था की जाएगी। बिलासगढ़ में प्राचीन मूर्तियों और धरोहरों के संरक्षण के लिए एक संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। शेरगढ़ किले और अभयारण्य में वन्यजीवों के संरक्षण के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। वन विभाग द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी। बजट 2025-26 के लिए नए प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। जिसमें बुनियादी ढांचे के विकास, प्रचार-प्रसार और निजी निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही खाद्य कला संस्थान, बारां के विकास के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा। बैठक में शाहाबाद एडीएम जबर सिंह, सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, जिला पर्यटन अधिकारी सिराज कुरैशी, डीएफओ अनिल यादव, डीएफओ अनिल चौधरी, खाद्य कला संस्थान ओएसडी रजनी कुमारी, एसीएफ नवनीत शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एनटीए ने जारी किए जेईई-मेन जनवरी सेशन के आंकड़े

13 लाख 78 हजार विद्यार्थियों ने किया था आवेदन, 13 लाख स्टूडेंट्स ने दी परीक्षा

कोटा 31 जनवरी। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन जनवरी के समापन के बाद परीक्षा से संबंधित आंकड़े नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी कर दिए गए हैं। एजेंसी के एक्स पर जारी किए गए इन आंकड़ों के अनुसार परीक्षा के लिए 13 लाख 78 हजार विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन किया था, जिसमें से 13 लाख ने परीक्षा दी। जनवरी परीक्षा का परिणाम 12 फरवरी को जारी किया जाना प्रस्तावित है। कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट आहूजा ने बताया कि देश के 284 परीक्षा शहरों के 598 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा भारत के साथ-साथ 15 देशों में संपन्न हुई। इस परीक्षा में कुल विद्यार्थियों की 94.5 प्रतिशत उपस्थिति रही। ऐसे में प्रत्येक शिफ्ट में हुई परीक्षा में करीब एक लाख 30 हजार विद्यार्थी शामिल हुए। अप्रैल परीक्षा की आवेदन का विद्यार्थी शुक्रवार को इंतजार करते रहे। पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन प्रक्रिया 31 जनवरी से शुरू होनी थी। गत वर्षों के ट्रेंड को देखते हुए दो लाख से अधिक नए विद्यार्थी अप्रैल परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं, जारी आंकड़ों के अनुसार पूर्व में 13 लाख 78 हजार विद्यार्थी आवेदन कर चुके थे, ऐसे में यूनीक कैडिडेट की संख्या 15 लाख से अधिक होना तय माना जा रहा है, जो कि जेईई-मेन के इतिहास की सर्वाधिक संख्या है। अप्रैल परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 24 फरवरी तक है।

क्रेश्चन पेपर एवं रिकॉर्डेड रेस्पोंस जल्द जारी होंगे- आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के प्रश्न पत्र एवं स्टूडेंट्स के रिकॉर्डेड रेस्पोंस प्रोविजनल आंसर की के साथ अगले दो-तीन दिन में जारी हो सकते हैं। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि रिकॉर्डेड रेस्पोंस को आवश्यक रूप से डाउनलोड करके रख लें, क्योंकि रिकॉर्डेड रेस्पोंस एवं प्रश्न पत्र मात्र दो दिन के लिए ही जेईई-मेन वेबसाइट पर उपलब्ध रहते हैं, इसके उपरान्त उन्हें वेबसाइट से हटा लिया जाता है।

पाठ्य सहगामी क्रियाओं के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

रावतभाटा सेंट पॉल सैकंडरी स्कूल में शुक्रवार को पाठ्य सहगामी क्रियाओं के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से नवीं के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य फ़ादर डांटी जोसफ ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ÷पाठ्य सहगामी क्रियाएँ न केवल छात्रों के मानसिक और शारीरिक विकास में सहायक होती हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं।÷कार्यक्रम मे विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए गए।कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने सभी छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, सहायक कर्मचारी एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में शिक्षिका भारती छाबड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

टीम हार्टवाइज ने किया 80 स्कूल्स में 1000 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान

कोटा। हार्टवाइज सोसायटी की ओर से कोटा में 9 फरवरी को होने जा रहे देश के सबसे बड़े हेल्थ इवेंट वॉक-ओ-रन के तहत गतिविधियां पूरे जोश के साथ आयोजित की जा रही है। दिसम्बर माह में शहर के स्कूल्स में ड्राइंग एण्ड क्विज कम्पीटिशन के विजेताओं को इन दिनों पुरस्कृत किया जा रहा है। इसके तहत शनिवार को क्विज कम्पटीशन का फाइनल राउंड होगा। इसमें प्रथम राउंड में चयनित प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया जाएगा। टीम हार्टवाइज के संयोजक डॉ. साकेत गोयल ने बताया कि शहर के 80 स्कूल्स के स्टूडेंट्स ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साह के साथ भाग लिया। इसके बाद हार्टवाइज टीम द्वारा हर स्कूल में जाकर प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों और प्रिंसिपल्स का सम्मान किया गया। पिछले दो सप्ताह में 80 स्कूल्स की करीब 1000 प्रतिभाओं का सम्मान किया जा चुका है। इस दौरान 50 हजार से अधिक स्टूडेंट्स और टीचर्स को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया और वॉक'-ओ-रन में शामिल होने के लिए प्रेरित भी किया गया। एक फरवरी को क्विज का दूसरा और फाइनल राउण्ड होगा, जिसमें 60 स्कूल्स की टीमें भाग लेंगी। स्कूल्स के बाद इन प्रतियोगिताओं के सिटी विनर्स को वॉक-ओ-रन तथा एक्सपो में सम्मानित किया जाएगा।

नीरज बने राजस्थान ब्राह्मण महासभा के युवा जिलाध्यक्ष

बारां- 31 जनवरी। राजस्थान ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामानुज शर्मा ने राजस्थान ब्राह्मण महासभा बारां के जिला अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा की सहमति से नीरज शर्मा मण्डोला को युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मनोनीत किया। शर्मा ने बताया कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नीरज शीघ्र ही जिलेभर में कार्यकारिणी का विस्तार करेंगे। सामाजिक कार्यों में अग्रणी नीरज की नियुक्ति पर नीरज नयन शर्मा, आयुष शर्मा,अंकुर सनाढ्य, आशीष शर्मा, सत्यप्रकाश दुबे, सचिन सनाढ्य, मुकेश शर्मा, अंशुल व्यास, पीयूष उपाध्याय, राकेश तिवारी, आशीष शर्मा, वैभव शर्मा, जितेन्द्र तिवारी सहित समाजबंधुओं ने हर्ष जताकर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केशवपुरा में राउण्ड टेबल 358 द्वारा 50 योग किट वितरित

कोटा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केशवपुरा में राउण्ड टेबल 358 द्वारा योग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 50 योग किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान राउण्ड टेबल 358 के चेयरमैन प्रांशुल कंजोलिया ने कहा कि योग मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को योग अपनाने और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

बौद्धिक संपदा अधिकार ,ट्रेडमार्क और पेटेंट विषय पर व्याख्यान का आयोजन

कोटा। कोटा विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 31 जनवरी 2025 को बौद्धिक संपदा अधिकार ,ट्रेडमार्क और पेटेंट विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता पेटेंट और ट्रेडमार्क अटॉर्नी श्री विकास आसावत रहे। इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों और शोधकर्ताओं को बौद्धिक संपदा अधिकार , ट्रेड मार्क , कॉपी राइट और पेटेंट प्रक्रिया के महत्व से अवगत करवाना था। श्री आसावत ने बताया कि ट्रेडमार्क व्यावसायिक पहचान को दर्शाता है एवम उत्पादों की गुणवत्ता की जानकारी देता है । आप ने कहा ट्रेडमार्क उत्पादों और सेवाओं को अन्य उत्पादों एवम सेवा से अलग पहचान दिलाता है। श्री आसावत ने कॉपीराइट , उत्पादों को और शोध कार्यों की पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया, पेटेंट कराने की आवश्यक शर्तें, और इससे जुड़े कानूनी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की समन्वयक प्रोफेसर वंदना शर्मा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान शोध परिणामों को एवं नवाचार को सुरक्षित करने के लिए पेटेंट की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. निमिषा गुप्ता, डॉ. वर्षा चतुर्वेदी, डॉ. ज़ैनुल आबिदीन अंसारी और डॉ. ज्योति कुमारी मीना भी उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों को विषय से जुड़ी व्यावहारिक जानकारियां प्रदान की । स्नातकोत्तर और शोध के छात्रों ने पेटेंट और इससे जुड़े विभिन्न प्रश्न भी अतिथि वक्ता से पूछे, जिनका श्री आसावत जी ने विस्तार से उत्तर दिया।

फार्मर आईडी के बिना नहीं मिलेगा फसल बीमा, सब्सिडी व केसीसी सम्मान निधि का फायदा

कोटा,31 जनवरी। किसानों के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कृषि एवं इससे संबंधित विभागों के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (एग्रीस्टैक) विकसित किया जा रहा है। उपखण्ड अधिकारी गजेन्द्र सिंह ने बताया कि तहसील लाडपुरा में 5 फरवरी 2025 से ग्राम पंचायतवार फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन किया जाएगा । इस रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों की एकीकृत और व्यापक पहचान सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उन्हें भविष्य में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

फार्मर आईडी होगी अनिवार्य-भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), डीबीटी, बारिश और सूखे से प्रभावित किसानों की पहचान, बेहतर नियोजन, बजट आवंटन और क्रियान्वयन के लिए किसानों को फार्मर रजिस्ट्री आईडी (फार्मर आईडी) प्राप्त करनी होगी। यह आईडी किसानों की भूमि की डिजिटल पहचान बनाएगी, जिससे वे सरकारी योजनाओं का लाभ सुचारू रूप से प्राप्त कर सकें।

शिविर में किसानों को लाने होंगे ये दस्तावेज-फार्मर रजिस्ट्री शिविर में किसानों को अपना आधार कार्ड, जमाबंदी और आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा। बिना इन दस्तावेजों के रजिस्ट्रेशन संभव नहीं होगा।

विराट मात्र 6 रन पर बोल्ड

स्टार बल्लेबाज के पवेलियन लौटते ही स्टेडियम में छाया सन्नाटा

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ लीग चरण के मैच के दूसरे दिन विराट कोहली की रणजी ट्रॉफी में वापसी पर सिर्फ 15 गेंदें ही खेल पाए। घरेलू दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कोहली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और रेलवे के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने उनका ऑफ स्टंप गिरा दिया।

अच्छी लेंथ की फुलर साइड पर आने वाली गेंद पर आगे बढ़ते हुए कोहली ने लाइन के पार एक असामान्य स्वाइप करने का प्रयास किया लेकिन कोहली नाकाम रहे और गेंद ऑफ स्टंप पर जा लगी। कोहली ने एक चौके की मदद से मात्र 6 रन ही बनाए। कोहली को पहले दोनों छोर पर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर तेज गेंदबाजों ने परेशान किया था, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनके आउट होने का एक पैटर्न देखने को मिला था।

कोहली के विकेट ने एक छोटी सी गिरावट की शुरुआत की, क्योंकि दिल्ली ने अपने अगले ओवर में सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को हिमांशु के हाथों खो दिया। 30 ओवर की समाप्ति पर दिल्ली ने चार विकेट पर 103 रन बनाए और रेलवे के पहली पारी के स्कोर से 141 रन पीछे थी।

स्टेडियम में सन्नाटा छाया

कोहली की निराशाजनक पारी के बाद स्टेडियम में सन्नाटा छा गया और दर्शकों का एक बड़ा हिस्सा तितर-बितर हो गया, साथ ही पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली पवेलियन में डगआउट में वापस चले गए। गेट नंबर 16 और 17 पर सुबह 6:30 बजे से ही भारी भीड़ जमा होने लगी थी, जबकि उन्हें आम जनता के लिए खोले जाने से दो घंटे पहले ही गेट नंबर 16 और 17 पर भारी भीड़ जमा हो गई थी।

कोहली का रणजी में सफर

नवंबर 2012 के बाद से कोहली का दिल्ली की जर्सी में यह पहला रणजी मैच है। कोहली ने 2012-13 रणजी ट्रॉफी में गाजियाबाद में एकमात्र मैच खेला था, जो उनके गृहनगर से ज्यादा दूर नहीं है। दिल्ली की ओर से खेलने के बाद कोहली ने गाजियाबाद के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उत्तर प्रदेश का सामना किया जिसमें उन्होंने दो पारियों में 14 और 43 रन बनाए, जिसमें उनकी टीम छह विकेट से हार गई।

नवंबर 2006 में तमिलनाडु के खिलाफ अपने डेब्यू के बाद से कोहली प्रीमियर रेड-बॉल टूर्नामेंट में 23 मैचों में नजर आ चुके हैं। कोहली अपने डेब्यू मैच में केवल एक पारी में 10 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन छह साल में अपने अगले 22 मैचों में उन्होंने पांच शतक और इतने ही अर्धशतक बनाए। कोहली ने 36 पारियों में 50.77 की औसत से 1574 रन बनाए हैं।

भारतीय खिलाड़ियों से मैदान पर दोस्ताना व्यवहार ना करें पाक प्लेयर: पूर्व कप्तान

कराची, एजेंसी। पूर्व कप्तान और मुख्य कोच मोईन खान ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से आग्रह किया है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को दुबई में होने वाले मैच में वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ दोस्ताना व्यवहार नहीं करें।

मोईन ने अभिनेता उशना शाह से एक पॉडकास्ट में कहा, 'जब मैं इन दिनों पाकिस्तान और भारत के मैच देखता हूं तो मुझे यह समझ नहीं आता है कि जैसे ही भारतीय खिलाड़ी क्रीज पर आते हैं, हमारे खिलाड़ी उनके बल्ले की जांच करते हैं, उन्हें थपथपाते हैं और दोस्ताना बातचीत करते हैं।

भारत के खिलाफ कई मैच खेलने वाले मोईन ने कहा कि वह विपक्षी खिलाड़ियों के प्रति सम्मान रखने के खिलाफ नहीं हैं लेकिन उनके साथ जरूरत से ज्यादा मित्रता रखना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारे सीनियर खिलाड़ी हमें बताया करते थे कि भारत के खिलाफ खेलते समय कोई शिकायत न करें और मैदान पर उनसे बात करने की भी जरूरत नहीं है। जब आप उनके साथ दोस्ताना व्यवहार करते हैं तो वे इसे आपकी कमजोरी मान लेते हैं। मोईन ने कहा, 'आजकल भारत के खिलाफ खेलते समय हमारे खिलाड़ियों का व्यवहार मेरे लिए समझ से परे है। यहां तक कि मैदान के बाहर भी पेशेवर खिलाड़ी होने के कारण आपकी कुछ सीमाएं होनी चाहिए।

अंडर-19 वर्ल्ड कप

भारत ने इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर फाइनल में बनाई जगह, दूसरा खिताब जीतने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरी बार अंडर19 टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को मात दी और अपनी जगह पक्की की। निकी प्रसाद की कप्तानी वाली भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय है। पहले मैच में मेजबान मलेशिया को दस विकेट से हराने के बाद भारत ने श्रीलंका को 60 रन से और बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया।वहीं सुपर सिक्स चरण में स्कॉटलैंड को 150 रन से मात दी। भारत ने सेमीफाइनल में भी यही क्रम जारी रखा। खिताब के लिए उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा जिसने अन्य सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मात दी। इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 113 रन बनाए। भारतीय टीम ने यह लक्ष्य 15 ओवर में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। साल 2023 में पहली बार हुए इस टूर्नामेंट के फाइनल में भी भारत ने इंग्लैंड को ही हराकर खिताब अपने नाम किया था।भारतीय टीम को जीत के लिए 114 रनों का लक्ष्य मिला था। जी कमालिनी और जी तृषा ओपनिंग करने उतरी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई। तृषा 29 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुई। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके लगाए। भारत ने इसके बाद कोई विकेट नहीं खोया। कामलिनी और सानिका चलके ने टीम को 15 ओवर में ही जीत तक पहुंचा दिया। कामलिनी ने 50 गेंदों में 56 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके शामिल थे। वहीं सानिका ने 12 गेंदों में 11 रन बनाए। उनकी पारी में एक ही चौका लगा।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, मिचेल मार्श चैंपियंस ट्रॉफी से हो सकते हैं बाहर

मेलबर्न, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार ऑलराउंडर मिशेल मार्श चोट के कारण आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं। मार्श पीठ की समस्या से पीड़ित हैं और 16 फरवरी से शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया की चैंपियंस ट्रॉफी अभियान से बाहर हो सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी के हवाले से एक बयान में कहा, पीठ के निचले हिस्से में दर्द और शिथिलता के कारण मिशेल मार्श आगामी आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। बयान में कहा गया, राष्ट्रीय चयन पैनल और ऑस्ट्रेलियाई पुरुष चिकित्सा टीम ने चोट के कारण मार्श को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। हाल के हफ्तों में उनकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द बढ़ गया, जिसके कारण एनएसपी ने मार्श के पुनर्वास की लंबी अवधि पूरी करने का निर्णय लिया। मार्श अब खेल में वापसी की योजना के तहत और अधिक आराम और पुनर्वास की अवधि से गुजरेंगे। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं के पास अपनी टीम को अंतिम रूप देने के लिए 12 फरवरी तक का समय है और वे इस समय सीमा से पहले प्रतिस्थापन खिलाड़ी का नाम घोषित कर सकेंगे। बयान में आगे कहा गया है।

चेस

गुकेश ने वारमेरडम को 34 चालों में हराया

विज्क आन जीगुकेश और वारमेरडम के बीच एक समय मुकाबला बराबरी का चल रहा था, लेकिन सिसिलियन के इस मुकाबले में गुकेश ने दो पॉन पर विजय पाकर वारमेरडम को बाजी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश की शानदार फॉर्म का क्रम जारी है। उन्होंने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए अपने शीर्ष स्थान कायम रखा है। गुकेश ने दसवें दौर में काले मोहरों से खेलते हुए नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर मैक्स वारमेरडम को 34 चालों में हरा दिया। उनके 7.5 अंक हो गए हैं और टूर्नामेंट में तीन दौर शेष हैं। इस जीत के साथ देश के नंबर एक खिलाड़ी गुकेश 2800 की रेटिंग के करीब पहुंच गए हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव (7) ने सर्बिया के एलेक्सी सराना (5) को हराकर अपना दूसरा स्थान कायम रखा है। वहीं, आर प्रज्ञानंद ने व्लादीमीर फेदोसीव को हराकर तीसरे स्थान पर जगह बना ली। उनके 6.5 अंक हैं।

गुकेश और वारमेरडम के बीच एक समय मुकाबला बराबरी का चल रहा था, लेकिन सिसिलियन के इस मुकाबले में गुकेश ने दो पॉन पर विजय पाकर वारमेरडम को बाजी छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। प्रज्ञानंद ने सफेद मोहरे से फेदोसीव के खिलाफ मध्य गेम में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। प्रज्ञानंद ने 48 चालों में जीत हासिल की। एक अन्य मुकाबले में पी हरिकृष्णा (4.5) ने विश्व नंबर दो अमेरिका के फैबियानो कारुआना (5.5) को 68 चालों में ड्रॉ खेलने पर मजबूर कर दिया। हरिकृष्णा सफेद मोहरों से खेल रहे थे। अर्जुन एरिगेसी का खराब फॉर्म का दौर जारी है। उन्होंने 10वें दौर में भी ड्रॉ खेला। अर्जुन को जर्मनी के विन्सेंट कीमर (4) ने बराबरी पर रोका। अर्जुन को टूर्नामेंट में अब तक जीत नहीं मिली है।

सचिन तेंदुलकर 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित होंगे

मुंबई, एजेंसी। पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को शनिवार को यहां भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक समारोह में बोर्ड के 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। भारत के लिए 664 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 51 वर्षीय तेंदुलकर के नाम क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक टेस्ट और वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड है।

बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'हां, उन्हें वर्ष 2024 के लिए सी के नायडू 'लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। तेंदुलकर के 200 टेस्ट और 463 एकदिवसीय मैच क्रिकेट इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक हैं। उन्होंने वनडे में 18,426 रनों के अलावा 15,921 टेस्ट रन बनाए। उन्होंने अपने शानदार करियर में केवल एक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला है। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री और पूर्व दिग्गज विकेटकीपर फारुख इंजीनियर को यह पुरस्कार मिल चुका है।

जारा यासमिन को युजवेंद्र चहल ने किया प्रपोज ! एक्ट्रेस ने खोला राज

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले कुछ दिनों से अपने पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. पहले धनश्री वर्मा से उनके तलाक की खबरें सामने आई थीं. वहीं कुछ दिनों के बाद आरजे महविश को डेट करने की अफवाह उड़ी थी. फिर चहल की इंस्टाग्राम स्टोरी का एक स्क्रीनशॉट काफी वायरल हुआ, जिसमें वह फेस ब्लर करके किसी से वीडियो कॉल करते हुए नजर आए थे. अब उनका एक पुराना अफेयर सुर्खियों में आ गया है. दरअसल, मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उन्होंने एक्ट्रेस जारा यसमिन को इंस्टाग्राम लाइव चैट में प्रपोज कर दिया था. अब एक्ट्रेस ने इन सभी राज से पर्दा उठाया है.

एक्ट्रेस ने जारा यासमिन ने अपने और युजवेंद्र चहल के बीच रिश्ते को लेकर बात की है. उन्होंने दोनों के बीच रिश्ते की अफवाहों से पर्दा उठा दिया है. दरअसल, उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि कोविड के समय दोनों के बीच अचानक चैट का प्लान बना था. इस दौरान चहल उनसे पूछ रहे थे कि वो खाना कैसे पका रही थीं, क्योंकि लॉकडाउन की वजह से कोई मेड की सुविधा उपलब्ध नहीं थी. तभी उन्होंने जारा से कहा था कि वो किसी भी वक्त शादी करके सभी को चौंका सकते हैं. हालांकि, उन्होंने किसी का भी नाम लिया था, लेकिन इसके बाद ऐसी खबरें आने लगी थीं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. इससे दोनों हैरान रह गए थे.

जारा के मुताबिक, चहल के प्रपोज करने की बात पूरी तरह से गलत है. बता दें कोविड के समय एक्ट्रेस जारा यासमिन और युजवेंद्र चहल ने एक इंस्टाग्राम लाइव चैट किया था. इसके बाद से ही दोनों चर्चा में आ गए थे. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चहल ने चैट के दौरान उन्हें प्रपोज कर दिया था. हालांकि, अब एक्ट्रेस ने खुद इस बात से इनकार कर दिया है. ये वाकया धनश्री वर्मा से मिलने पहले हुआ था. इस वाकये कुछ महीने बाद ही चहल ने धनश्री से शादी कर ली थी.

व्यापार

हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर नहीं चलेगी कंपनियों की मनमानी, बुजुर्गों को बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट से ठीक से पहले भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर बड़ा फैसला लिया है। नियामक ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे वरिष्ठ नागरिकों के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम में एक साल में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि नहीं करें। दरअसल, इरडा के संज्ञान में आया है कि कुछ हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट में वरिष्ठ नागरिकों (60 साल और अधिक) के प्रीमियम दरों में काफी बड़ी वृद्धि की गई है। इसके बाद इरडा ने एक सर्कुलर जारी कर सभी जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को यह निर्देश दिया है। क्या कहा इरडा ने इरडा के बयान में कहा गया है कि इस कदम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के लिए बढ़ते हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर अंकुश लगाना और उनके वित्तीय बोझ को कम करना है, खासकर जब उन्हें उम्र और स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों के कारण भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ता है। इरडा, बीमा बाजार की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का घट गया मुनाफा, 970 पर आया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) का दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 6.5 प्रतिशत घटकर 281.92 करोड़ रुपये रह गया है। टीसीपीएल ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। कंपनी ने एक साल पहले अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 301.51 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी के शेयर आज मामूली तेजी के साथ 970 रुपये पर बंद हुए थे।

क्या है डिटेल- समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 16.81 प्रतिशत बढ़कर 4,443.56 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 3,803.92 करोड़ रुपये थी। दिसंबर तिमाही में टीसीपीएल का कुल खर्च 22 प्रतिशत बढ़कर 4,087.07 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंज्यूमर की कुल आय, जिसमें अन्य आय भी शामिल है, 16.34 प्रतिशत बढ़कर 4,495.16 करोड़ रुपये हो गयी। दिसंबर तिमाही में टीसीपीएल का कुल ब्रांडेड कारोबार 18.3 प्रतिशत बढ़कर 4,026.15 करोड़ रुपये का हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 3,403.31 करोड़ रुपये था। टीसीपीएल के ब्रांडेड कारोबार में चाय, कॉफी, पानी और अन्य विभिन्न मूल्यवर्धित कारोबार शामिल हैं। दिसंबर तिमाही में भारत में ब्रांडेड कारोबार से इसका राजस्व 19.31 प्रतिशत बढ़कर 2,833.68 करोड़ रुपये हो गया। टीसीपीएल का अंतरराष्ट्रीय ब्रांडेड कारोबार 15.95 प्रतिशत बढ़कर 1,192.47 करोड़ रुपये हो गया। जबकि, गैर-ब्रांडेड कारोबार से इसका राजस्व 446.12 करोड़ रुपये रहा, जो 8.66 प्रतिशत की वृद्धि है।

बैंक कितना करते हैं परेशान, शिकायतों का आंकड़ा देख हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में बैंकिंग सिस्टम से जुड़ी कई तरह की शिकायतें बढ़ रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि बुजुर्गों को बैंकों में पेंशन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें एक तरफ केवाईसी अपडेट कराने से लेकर अन्य तरह की समस्याएं आ रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ बैंकों द्वारा जमा और निकासी के अतिरिक्त दी जाने वाली सेवाओं (पैरा बैंकिंग) में भी ग्राहकों को परेशान किया जा रहा है।

एक्सपर्ट्स ने दी सलाह अडानी एंटरप्राइजेज पर दांव लगाएं निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। , एक्सपर्ट्स की ये सलाह अडानी ग्रुप की दिग्गज कंपनियां जैसे अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और अडानी पावर ने अपने दिसंबर तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। अब सवाल है कि तिमाही नतीजों के सामने आने के बाद किस कंपनी पर दांव लगाना सही रहेगा आइए समझते हैं...

अडानी एंटरप्राइजेज के नेट प्रॉफिट में 88 प्रतिशत का इजाफा- कंपनी ने दिसंबर तिमाही के नतीजों का जारी करते हुए बताया है कि सालाना आधार पर उनका नेट प्रॉफिट 88 प्रतिशत गिरा है। कंपनी ने बताया है कि दिसंबर तिमाही में उनका नेट प्रॉफिट 228.64 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1972.75 करोड़ रुपये रहा है।

अडानी पोर्ट्स का नेट प्रॉफिट 14 प्रतिशत बढ़ा- अक्टूबर से दिसंबर के दौरान अडानी पोर्ट्स का नेट प्रॉफिट 2518.39 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2208.21 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बता दें, कंपनी का रेवन्यू दिसंबर तिमाही में 7963.55 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले इस बार कंपनी के रेवन्यू में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

अडानी पावर का भी नेट प्रॉफिट बढ़ा- अडानी ग्रुप की इस कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर क्वार्टर में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2940 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2737 करोड़ रुपये रहा था।

अडानी ग्रुप का कौन सा स्टॉक खरीदना रहेगा बुद्धिमानी- अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2023 से कई कंपनियों के शेयर अबतक 50 प्रतिशत तक लुढ़क गए हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों पर बुरा असर डाला है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज की वरिष्ठ शोध विश्लेषक सीमा श्रीवास्तव कहती हैं कि अडानी ग्रुप की कंपनियों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। प्रमुख कंपनियां जैसे अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पावर और अडानी ट्रांसमिशन के रेवन्यू ग्रोथ मॉड्रेट रहा है। लेकिन इनपुट खर्च बढ़ने, रेगुलेटरी का प्रेशर और मार्केट की अनिश्चितता ने मुनाफे पर असर डाला है।

सुमित बगाडिया क्या बता रहे हैं- च्वाइस ब्रोकिंग के सुमित बगाडिया कहते हैं कि चार्ट में अडानी ग्रुप के तीनों कंपनियों के शेयर बाउंस बैक करते हुए दिखाई देते हैं। सुमित कहते हैं, अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 2450 रुपये से 2500 रुपये तक जा सकते हैं। अडानी पोर्ट्स के शेयर 1200 रुपये तक पहुंच सकते हैं। वहीं, अडानी पावर के शेयर 550 रुपये से 580 रुपये तक पहुंच सकते हैं। शेयरहोल्डर्स अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पोर्ट्स और अडानी पावर के लिए क्रमशः 2120, 1010 रुपये और 480 रुपये का स्टॉप लॉस लगाएं।

अजमेर में पति ने पत्नी-तीन बच्चों का सिर फोड़ा

अजमेर 31 जनवरी। अजमेर में पति ने पत्नी औ तीन बच्चों पर तवे से सिर फोड़ दिया। हमले के बाद आरोपी पति ने घर की पहली मंजिल से छलांग लगा दी। पांचों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पति-पत्नी और बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना शहर के क्रिश्चियन गंज थाना क्षेत्र के लोहागल गांव में शुक्रवार शाम 4 बजे की है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि पारिवारिक विवाद के चलते ये ये हमला किया है।हमले में ममता (35), बेटी तोशिका (11), खुशी (13) और बेटा भूपेंद्र (16) घायल हुआ है। थाना प्रभारी अरविंद चारण ने बताया कि सूचना मिली थी कि रामलाल डोली ने पत्नी और तीन बच्चों के साथ मारपीट की है। गृह क्लेश और मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की जानकारी मिली है। थाना प्रभारी ने बताया कि रामलाल मजदूरी करता है। परिवार के साथ गांव में किराए पर रहता है। किसी बात को लेकर इनके बीच विवाद हो गया था।

रोड़वेज बस की टक्कर से युवक की मौत

बूंदी 31 जनवरी। बूंदी के देईखेड़ा इलाके में शुक्रवार दोपहर सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। कोटा-लालसोट मेगा हाईवे पर देईखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान देईखेड़ा निवासी राजकुमार मीणा (38) के रूप में हुई है। राजकुमार अपनी बाइक से गांव की ओर लौट रहा था। इसी दौरान कोटा से सवाईमाधोपुर जा रही रोडवेज बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और राजकुमार को गंभीर चोट आई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल राजकुमार को देईखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। देईखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर में घुसकर मारपीट करने के 2 आरोपी गिरफ्तार

पिता-पुत्र पर किया था जानलेवा हमला, 5 दिन बाद पकड़े गए

सवाई माधोपुर 31 जनवरी। घर में घुसकर मारपीट करने के दो आरोपियों को सवाई माधोपुर की कुण्डेरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी राजेश (27) पुत्र बैरवा निवासी कुण्डेरा और बुद्धिप्रकाश (30) पुत्र फेलुराम बैरवा निवासी कुण्डेरा को गिरफ्तार किया है। कुण्डेरा थानाधिकारी भरत सिंह ने बताया कि 14 जनवरी को दिनेश पुत्र हरिप्रसाद बैरवा निवासी कुण्डेरा ने थाना कुण्डेरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में दिनेश ने बताया कि 13 जनवरी को उसके पिताजी हरिप्रसाद अपने बेटे सोनू शाम के साथ 5.00 बजे काम करके अपने घर आये थे। तभी जान से मारने की नीयत से आरोपी बुद्धिप्रकाश, राजेश, वासु, अशोक व कमला लाठी व कुल्हाड़ी लेकर उसके घर में घुस गए। राजेश ने हरिप्रसाद के सिर में कुल्हाड़ी से वार कर दिया जिससे वह गिर गया। जिसके बाद में बुद्धिप्रकाश व अशोक व कमला ने लाठियों से उसको मारा। हरिप्रसाद की चिल्लाने की आवाज सुनकर सोनू जब बाहर निकला तो वासू ने सोनू के सिर में जान से मारने के लिए कुल्हाड़ी से हमला किया। बुद्धिप्रकाश, अशोक व कमला ने लाठियों से मारपीट की। मामला दर्ज होने के बाद कुण्डेरा थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस ने 32 लाख के मोबाइल रिकवर किए

मालिकों को लौटाए 162 फोन, दो साल में गुम और चोरी हुए थे

कोटा 31 जनवरी। कोटा ग्रामीण पुलिस ने ऑपरेशन साइबर शील्ड अभियान के तहत गुम व चोरी हुए 162 मोबाइल फोन रिकवर किए है। जिन्हें मोबाइल मालिकों को वापस लौटाया। खोए हुए मोबाइल पाकर मालिकों के चेहरे खिल गए। ये सभी मोबाइल ग्रामीण के अलग अलग थाना क्षेत्रों से गुम व चोरी हुए थे। इनमें से ज्यादातर मल्टीमीडिया मोबाइलों को दूसरे व्यक्तियों द्वारा यूज किया जा रहा था। साइबर सेल की टीम ने इन मोबाइलों को ट्रेस कर रिकवर किया। रिकवर किए मोबाइलों की अनुमानित कीमत 32 लाख 40 हजार रूपए बताई गई है। ये सभी मोबाइल साल 2023 से जनवरी 2025 में अलग अलग महीनों में गुम हुए थे। इनमें ज्यादातर रामगंजमंडी व कैथून थाना क्षेत्र से थे। ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत ग्रामीण पुलिस ने गुम व चोरी हुए मोबाइलों का डाटा प्राप्त किया। साइबर सेल की टीम ने एक महीने में मोबाइलों को ट्रेस किया। ये गुम हुए मोबाइल राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों में यूज किए जा रहे थे। जिन्हें टीम ने रिकवर किया। अभी 100 शिकायतें पेंडिंग हैं। उन्हें भी जल्द रिकवर करेंगे। अभियान के तहत साइबर अपराध में लिप्त 45 हेंडसेट को ब्लॉक करवाया है। साइबर अपराध के पोर्टल 1059 पर एक महीने में 700 परिवाद आए हैं। उनमें से 50 प्रतिशत परिवादों को निस्तारण करवाया है।

महाकुंभ के नाम पर नहीं हो राजनीति -पायलट

जयपुर 31 जनवरी। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट होटल क्लार्क आमेर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ के नाम पर हो रही राजनीति को लेकर नाराजगी जाहिर की। वहीं केंद्र सरकार से बजट में राजस्थान को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। सचिन पायलट ने कहा, मैं हर साल जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में आता हूं। मुझे लगता है कि हम होस्ट हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां सभी खुले मन से बात करते हैं। अलग-अलग विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान होता है। भले ही सहमति न बने, लेकिन सुनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में क्या कुछ हो रहा है। उस पर जेएलएफ में चर्चा होती है। जिसमें जयपुर वासियों को दिल खोलकर सबका स्वागत करने का मौका मिलता है। दुनियाभर में लिटरेचर फेस्टिवल हो रहा है। लेकिन खुशी की बात यह है कि इसका जन्म जयपुर में हुआ है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है। इसलिए सबको सहयोग कर इसे और बड़ा बनाना चाहिए। क्योंकि ऐसे आयोजनों से पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। बहुत कम राज्य होंगे, जिनके पास राजस्थान की तरह रिच आर्ट, कल्चर और हेरिटेज है। उसे बचाने की, बढ़ाने की जरूरत है। ताकि इससे एम्प्लॉयमेंट भी क्रिएट हो सकें। इस दौरान महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए प्रयागराज जाने के सवाल पर जवाब देते हुए सचिन पायलट ने कहा कि हर व्यक्ति की अपनी निजी आस्था है। उसका दिखावा या उस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। वैसे भी हर व्यक्ति को अपने मजहब और धर्म की पालना करने की पूरी छूट है। सचिन पायलट ने कहा कि कल केंद्र सरकार बजट जारी करने जा रही है, लेकिन पिछले कई सालों में यह देखने को मिला है कि बजट में राजस्थान की अनदेखी की जाती है। जबकि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है। 8 करोड़ से ज्यादा लोग यहां रहते हैं। लेकिन केंद्र सरकार ने राजस्थान को लेकर गलत नजरिया अपना रखा है। राजस्थान में कोई नई राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं हो रही है। नई रेल लाइन से लेकर बड़े-बड़े प्रोजेक्ट तक नहीं दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक की राजस्थान को विशेष राज्य का दर्जा तक नहीं दिया जा रहा है। पिछले बजट में तो वित्त मंत्री ने राजस्थान का नाम तक नहीं लिया था। ऐसे में मैं उम्मीद करता हूं कि राजस्थान की भाजपा सरकार केंद्र सरकार पर दबाव डालकर राजस्थान को फायदा दिलाने की कोशिश करेगी। ताकि राजस्थान में निवेश और रोजगार की संभावनाओं में बढ़ोतरी हो। सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में भी विधानसभा सत्र की शुरुआत हो गई है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के नेता बीजेपी सरकार के कार्यकाल में हुए कामकाज का लेखा-जोखा सदन में रखेंगे। जिस तरह से बीजेपी सरकार बनने के बाद स्कूलों को बंद किया गया है। जिलों को खत्म किया गया है। उसका जवाब सदन के पटल पर मांगा जाएगा।

शराब पीकर स्कूल पहुंचा टीचर, बच्चों को पीटा

ग्रामीण आए तो धमकाने लगा; बोला-यहां का डॉन मैं हूं, राजकार्य में बाधा का केस करूंगा

बाड़मेर 31 जनवरी। बाड़मेर में शिक्षा के मंदिर को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। गुड़ामालानी ब्लॉक के कुकणों की ढाणी के प्राथमिक स्कूल में टीचर विजय कुमार शराब के नशे में पहुंचा और बच्चों के साथ मारपीट की। सूचना मिलने पर ग्रामीण स्कूल आए तो उन पर राजकार्य में बाधा पहुंचाने का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी। ग्रामीणों ने टीचर को पकड़कर कुर्सी पर बैठा दिया। ग्रामीणों ने टीचर से कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी आ रहे हैं तो उसने कहा कि यहां का डॉन मैं हूं। ग्रामीणों का आरोप है कि टीचर शराब पीकर आया। साथ ही पानी की बोतल में भी शराब मिलाकर लाया। स्कूल में खाली नमकीन के पैकेट भी मिले हैं। जानकारी मिलने पर शिक्षा विभाग के अधिकारी स्कूल पहुंचे और टीचर का मेडिकल करवाने के साथ जांच करने की बात कही।

टीचर बोला- यहां का डॉन मैं हूं- ग्रामीणों ने जब टीचर से पूछा कि स्कूल में शराब पीकर आते हो, तब लड़खड़ाती

आवाज में मना करने लगा। इसके बाद लोगों को धमकाने लगा कि आप हमें डिस्टर्ब कर रहे रहो, आप राजकार्य में बाधा डाल रह रहो। मैं 4 बजे जाकर मुकदमा करूंगा। ग्रामीणों ने कहा- आपके पैर लड़खड़ा रहे हैं। इस टीचर बोला- मेरे लड़खड़ा रहे हैं या नहीं, मैं मेडिकल करवा दूंगा। तब ग्रामीणों ने कहा कि चलो मेडिकल करवा लो। ग्रामीणों ने टीचर को कहा कि अधिकारी आ रहे है। टीचर बोला मैं बैठा हूं डॉन। यहां का डॉन मैं हूं, पीईईओ (शिक्षा अधिकारी) नहीं है। कर देना मेरा जो कर सको। ग्रामीण ने पूछा- कितनी उम्र में हो तब जवाब दिया घणा (ज्यादा) ही हूं। वहां पर चार्ट लगा हुआ देख लो और गणना कर लेना। वोट खड़ा होगा उसका वोट। जो लाठो होगा उसको वोट। फिर जोर-जोर से हंसने लग गया।

मारपीट से छात्रों के आई चोट- ग्रामीण केहरा राम ने बताया- गुड़मालानी ब्लॉक की आलपुरा ग्राम पंचायत की कुकणों की ढाणी में प्राइमरी स्कूल में कार्यरत टीचर विजय कुमार शुक्रवार को शराब के नशे में आया। हाथ में पानी की बोतल थी, जिसमें शराब मिला रखी थी। टीचर ने स्कूल आते ही बच्चों के साथ डंडे से मारपीट कर दी। मारपीट में एक छात्र और एक छात्रा के हाथों पर निशान बन गए और सूजन भी आ गई। आसपास के लोगों की सूचना पर हम स्कूल पहुंचे और पूछा बच्चों को क्यों मार रहे हो, इस पर हमारे साथ भी बदतमीजी की। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) ओमप्रकाश ने बताया- सूचना मिलते ही पदेन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (पीईईओ) को भेज दिया। शिक्षक का मेडिकल करवाया जाएगा। अल्कोहल आएगा तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर में कपड़े नहीं सिले तो टेलर को मार डाला

नाबालिग ने डंडे से इतना पीटा कि दम तोड़ दिया; 5 दिन पहले सिलने दिए थे

चौमू 31 जनवरी। जयपुर में समय पर कपड़े सिल कर नहीं देने पर नाबालिग ने बुजुर्ग टेलर की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने नाबालिग को डिटेन कर लिया है। घटना शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे चौमूं पक्का बंधा चौराहा स्थित देव हॉस्पिटल के पास हुई। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया- बुजुर्ग सूरजमल प्रजापत (60) पुत्र हनुमान सहाय प्रजापत की दुकान देव हॉस्पिटल के पास थी। नाबालिग आरोपी ने कपड़े सिलने दिए थे, लेकिन समय पर तैयार नहीं होने के कारण वह नाराज हो गया। गुस्से में आकर उसने सूरजमल पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव चौमूं के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। आरोपी नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण सबूत जुटाए हैं और मामले की जांच जारी है।

बेटा बोला- पिता खून से लथपथ हालत में पड़े थे-सूरजमल के बेटे रतन ने बताया- बाइक पर आए व्यक्ति ने मुझे बताया कि तुम्हारे पिता के सिर पर किसी ने डंडे से हमला किया है। मैं उस व्यक्ति के साथ बाइक पर बैठकर मौके पर पहुंचा। वहां मेरे पिता खून से लथपथ पड़े थे। मैंने भाई को फोन कर गाड़ी लेकर तुरंत दुकान पर आने को कहा। इसके बाद हम पिता को चौमूं के सरकारी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी को पास के दुकानदारों ने पकड़ रखा था।

दोपहर बाद ले जाने के लिए कहा था- सूरजमल के दूसरे बेटे अशोक ने बताया- आरोपी ने 4-5 दिन पहले ही कपड़े सिलने दिए ?थे। आज सुबह वह कपड़े लेने आया तो पिता ने कहा कि दोपहर बाद आ जाना। इस पर वह भड़क गया और दुकान के बाहर रखे डंडे से पिता पर जानलेवा हमला कर दिया।

उत्तर प्रदेश का रहने वाला है नाबालिग-पुलिस ने बताया कि 14 वर्षीय नाबालिग उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के महाराजगंज का रहने वाला है। पिछले करीब तीन-चार साल से माता-पिता के साथ चौमूं में रहता है। माता-पिता बिरला पुट्टी और पीओपी का काम करते हैं। नाबालिग के भी मजदूरी करने की बात सामने आई है। वहीं, मृतक सूरजमल प्रजापत के 2 बेटे और एक बेटी है। दोनों बेटे मैकेनिक का काम करते हैं।

एनडीपीएस एक्ट में 4 साल से फरार ईनामी आरोपी गिरफ्तार

कोटा,31 जनवरी। विज्ञान नगर थाना पुलिस ने आपरेशन नश्वर के तहत एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में 4 साल से फरार 3 हजार रुपये का वांछित ईनामी अपराधी कलाम को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि नशीले पदार्थों की बिक्री/भण्डारण/परिवहन की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ हेतु जिले में विशेष अभियान ऑपरेशन नश्वर चला रखा है। उक्त अभियान को सफल बनाते हुए मुकेश कुमार मीणा पु0नि0 थानाधिकारी थाना विज्ञाननगर के नेतृत्व में पुलिस टीम मुकदमा नम्बर

320/2021 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना विज्ञाननगर जिला कोटा शहर में अभियुक्त कलाम पुत्र कमाल जाति पठान उम्र 37 साल निवासी गादिया महेश थाना अकलेरा जिला झालावाड को गादिया महेश झालावाड़ से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया जो प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहा था, तथा तीन हजार रुपये का वांछित ईनामी अपराधी था, प्रकरण में मुल्जिम कलाम से अनुसंधान किया जा रहा है। या है और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बांस की बल्ली रखने पर पड़ोसियों में झगड़ा

विवाद में पाइप और डंडो से मारा, दोनों पक्षों के 3 लोग घायल

कोटा 31 जनवरी। कोटा जिले के कैथून थाना क्षेत्र में मामूली कहासुनी में पड़ोसियों के बीच झगड़ा हो गया। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर डंडे- पाइप से हमला कर दिया। झगड़े में दोनों पक्ष के तीन जने घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए एमबीएस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। घटना देर शाम 7 बजे के आस-पास वार्ड 16 भाटापाड़ा की है। कैथून थाना सीआई संदीप शर्मा ने बताया- गली में बांस रखने को लेकर दोनों पड़ोसियों में झगड़ा हुआ था। अभी किसी भी पक्ष की ओर से शिकायत नहीं दी है। घायल के पर्चा बयान लेंगे। रणजीत ने बताया- कुछ दिन पहले उनके मकान का प्लास्टर करवाया था। प्लास्टर करवाने के बाद

बांस बल्लियां खोलकर एक साइड पर रखी थी। पड़ोसी मनोज ने बांस बल्लियां हटाने को कहा था। उसे समझाया था कि काम खत्म होने के बाद हटा देंगे। इस बात को लेकर विवाद हुआ था। 20 फरवरी को बड़ी बेटी की शादी है। इस कारण गुरुवार शाम को कोटा से कपड़े लेकर आया था। करीब 6 बजे पत्नी लक्ष्मी छोटे बेटे को बाहर लेने गई। उस दौरान मनोज के परिवार वालों ने मिलकर उसे घेर लिया। डंडे पाइप से हमला किया। हल्ला होने पर मैं और छोटी बेटी मकान से बाहर आए मनोज के साथ वालों ने हमारे साथ भी मारपीट की। मारपीट में पत्नी लक्ष्मी (45) के सिर व पैर पर चोट लगी। छोटी बेटी के गर्दन पर, मेरे सिर में अंदरूनी चोटें लगी है। वहीं मनोज ने बताया कि रणजीत व उसके साथ वाले शराब पीकर मकान के बाहर बैठते है। गाली गलौच करते है। इस बात को लेकर मेरी मां व पत्नी ने टोका था। गुरुवार शाम को सब्जी की दुकान से घर लौटा तो किसी ने मेरे सिर पर पीछे से मार दी।

विधानसभा से अपशकुन दूर करने वास्तुविदों की सलाह ली-वासुदेव देवनानी

राज्यपाल और डोटासरा में तीखी नोक-झोंक; कांग्रेस एमएलए भाकर का निलंबन खत्म

जयपुर 31 जनवरी। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान गोविंद सिंह डोटासरा बोलने लगे तो हरिभाऊ बागड़े ने भी उन्हें तल्ख अंदाज में जवाब दिया। अभिभाषण के दौरान राज्यपाल ने पिछली कांग्रेस सरकार को भी घेरा। उन्होंने कहा जल जीवन मिशन घोटाले से देश में राजस्थान की साख खराब हुई है। अभिभाषण के बाद कांग्रेस एमएलए मुकेश भाकर का निलंबन समाप्त कर दिया गया है। वहीं, स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा से अपशकुन दूर करने के लिए वास्तुविदों का सहारा लिया गया है, इस आधार पर कुछ बदलाव किए गए हैं। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही 3 फरवरी तक के लिए स्थगित हो गई है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बाड़मेर जिले के तामलोर गांव के दौरे का जिक्र करते हुए कहा- बाड़मेर जिले के तामलोर गांव में मैं गया था। वहां एक झोपड़े के पास प्रधानमंत्री आवास बना था। वहां मैंने नल खोला तो देखा पानी आ रहा है तो मैंने पूछा कि पानी कहां से आया। लोगों ने बताया कि पानी सरदार सरोवर से आया है। 800 किलोमीटर से पानी आया है, तो यह अच्छी बात है। मैं अभिनंदन करता हूं। राज्यपाल ने तीखे अंदाज में डोटासरा को जवाब देते हुए कहा- जनजाति हितों से जुड़ी समिति मेरे विभाग में आती है और उसकी बैठक करना मेरी जिम्मेदारी है, मेरी ड्यूटी है। मैं हर जिले में जाऊंगा और वहां बैठकर करूंगा। विधानसभा में 200 विधायक कभी भी एक साथ नहीं होने के संयोग को तोड़ने के लिए वास्तु का सहारा लेने का जिक्र विधानसभा में आया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा-पिछले दिनों कुछ सुझाव दो-तीन वास्तु वालों के मिले हैं, दो-तीन सुझाव लागू किए हैं ,एक दो और बताए गए हैं। मैं सोचता हूं 4 साल पूरे

200 के 200 सदस्य पूरे बने रहे ,ऐसी मेरी अपेक्षा है। गौरतलब है कि वास्तुविदों के सुझाव के बाद विधानसभा में विधायकों की एंट्री का रास्ता भी बदल दिया गया है। इसके अलावा सदन में कई छोटे-मोटे बदलाव भी किए गए हैं। दक्षिणी कोने में टेंट लगाया है।

कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर का निलंबन समाप्त, स्पीकर बोले- मुझे उस दिन पीड़ा हुई-कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर का विधानसभा से निलंबन आज खत्म कर दिया गया है। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने मुकेश भाकर का निलंबन खत्म करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने मंजूर कर लिया। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर विधायक और नेता प्रतिपक्ष ने मुझसे मिलकर बात की। हम सब पक्ष और विपक्ष के लोग मिलकर सदन को चलाएं, सभी पक्ष मर्यादा से बात कहें। उस दिन मुझे भी बहुत तकलीफ हुई।

राज्यपाल बोले- इस सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं-ईआरसीपी (अब राम जल सेतु) योजना में देरी के लिए भी उन्होंने कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार बताया। राज्यपाल ने कि मौजूदा सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। इससे पहले राजस्थान विधानसभा में अपने पहले अभिभाषण की शुरुआत करते हुए इसे गौरव का क्षण बताया। लंबे समय बाद इस बार राज्यपाल का अभिभाषण पूरा पढ़ा गया। राज्यपाल ने एक घंटे 26 मिनट तक भाषण पढ़ा।

कांग्रेस हंगामा नहीं करेगी- कांग्रेस ने अभिभाषण के दौरान हंगामा नहीं करने पर सहमति जताई थी। अभिभाषण के बाद आज सदन में ज्यादा कामकाज नहीं होगा। राज्यपाल से मंजूरी मिलने वाले विधेयकों का ब्योरा रखने और तीन अध्यादेशों को सदन में रखने के बाद दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। आज सदन में प्रश्नकाल और शून्यकाल की कार्यवाही नहीं चली।

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

निविदा सूचना

132 के वी जी एस एस मामोनी में 25 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर -1 हटाकर 31.5 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य हेतु, 132 के वी जी एस एस मामोनी में 25 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर -2 हटाकर 31.5 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य हेतु, 132 के वी जी एस एस किशनगंज में 25 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर -1 हटाकर 31.5 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य हेतु, 132 के वी जी एस एस किशनगंज में 25 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर -2 हटाकर 31.5 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य हेतु, 132 के वी जी एस एस बपावर मे केपीसीटर बैंक लगाने के कार्य हेतु, 220 के वी जी एस एस डाहरा में 100 के वी पॉवर ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य हेतु, 220 के वी जी एस एस देचू (फलोदी) से 100 के वी पॉवर ट्रांसफार्मर 220 के वी जी एस एस डाहरा (कोटा) तक ट्रांसपोर्ट करने के कार्य हेतु, 132 के वी जी एस एस नाहरगढ़ में 25 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य हेतु, 132 के वी जी एस एस सरोला कला में 25 एम वी ए पॉवर ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य हेतु, 132 के वी जी एस एस किशनगंज में 33 के वी बे वर्क के निमार्ण हेतु, 132 के वी जी एस एस से मामोनी से 25 के वी पॉवर ट्रांसफार्मर 132 के वी जी एस एस नाहरगढ़ तक ट्रांसपोर्ट करने के कार्य हेतु, इच्छुक बोलीदाताओ से निविदाये आमंत्रित की जाती है। सभी निविदाओ की अन्य जानकारी राज्य के प्रोक्यूरमेंट पोर्टल (http://sppp.rajasthan.gov.in) तथा विभागीय वेबसाइट http://energy.rajasthan.gov.in/rvpnl पर उपलब्ध है।

यूनिक बीड न. : VPN2425WSOB02796, VPN2425WSOB02797, VPN2425WSOB02798, VPN2425WSOB02799, VPN2425WSOB02719, VPN2425WSOB02805, VPN2425WSOB02810, VPN2425WSOB02804, VPN2425WSOB02806, VPN2425WSOB02794, VPN2425WSOB02811

अधीक्षण अभियंता (टी.एंड सी.), कोटा

राज.संवाद/सी/24/11062 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-6595/2025

कार्यालय नगर पालिका, रामगंजमण्डी जिला कोटा (राज.)

क्रमांकः न.पा.रा./2025/3960 दिनांक :30.01.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका द्वारा स्वीकृत योजना में निर्माण स्वीकृति एवं नामान्तरण साथ ही आबादी क्षेत्र में स्थित भूमि / मकान नाम दर्ज हेतु नगरपालिका कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है निम्न पत्रावलियों के निर्माण स्वीकृति अनुज्ञा पत्र / नामान्तरण / नगरीय विकास कर अनुभाग में नाम दर्ज किये जाने के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज प्रमाण के सात दिवस की अवधि में इस कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर दे। समयावधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम मय पता	राजस्व ग्राम मय खसरा नं.	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	उनवान	चतुर्सीमा की स्थिति			
						पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री अरिहंत भूरा पुत्र श्री प्रकाश चंद भूरा जाति जैन निवासी रामगंजमंडी	गोरधनपुरा 244	8	887.5	भवन निर्माण स्वीकृति	अन्य भूमि	कॉलोनी रास्ता	प्लॉट नं. 7	प्लॉट नं. 9
2	श्री अविनाश सोनी पुत्र श्री दुर्गाशंकर सोनी जाति सोनी निवासी रामगंजमंडी	खैराबाद 3008 3009 3010 3011	61	973	भवन निर्माण स्वीकृति	कॉलोनी रास्ता	अन्य कृषि भूमि	प्लॉट नं. 60	प्लॉट नं. 62
3	श्रीमती रोज मेरी पत्नी श्री माइकल सक्रावट जाति ईसाई निवासी ग्राम सलावद तह. रामगंजमंडी	खैराबाद 3945/ 3944	63	842	भवन निर्माण स्वीकृति	अन्य भूमि	कॉलोनी रास्ता	प्लॉट नं. 64	प्लॉट नं. 62
4	श्री राजेश सिंह पुत्र श्री चेन सिंह जाति जीनगर निवासी रामगंजमंडी	खैराबाद 3937/581 582 583 584 586	33	640	भवन निर्माण स्वीकृति	कॉलोनी रास्ता	प्लॉट नं. 12	प्लॉट नं. 34	प्लॉट नं. 32
5	श्रीमती ऋतू मीणा/बाबूलाल मीणा निवासी ग्राम हेमलखेड़ी	खैराबाद 3161	13	1200	भवन निर्माण स्वीकृति	प्लॉट नं. 19	कॉलोनी रास्ता	प्लॉट नं. 14	प्लॉट नं. 12 व 11

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रामगंजमण्डी

प्रकाशक, मालिक, मुद्रक प्रदीप जैन द्वारा देश की धरती प्रेस ओ.सी.एफ.-4 देश की धरती कॉम्पलेक्स विश्वकर्मा नगर कोटा से मुद्रित होकर OCF-4 देश की धरती कॉम्पलेक्स विश्वकर्मा नगर, कोटा (राज.) से प्रकाशित। संपादक प्रदीप जैन
आर.एन.आई.न.26204/74 कोटा मो.नं. 9829221551